RNI No. DELHI/2014/56101

वर्ष : 12 अंक : 240

● नई दिल्ली, शुक्रवार

29 अगस्त 2025

मूल्य : 01 रुपए पृष्ठ : 08

वेब वार्ता

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

हर संघर्ष में आपके साथ

यह क्यूआर कोड स्कैन कर हमें पाएं अपने स्मार्ट फोन पर

www.webvarta.in

twitter.com/webvarta

www.facebook.com/webvarta

ब्रीफ वार्ता

छात्रों को कमरे में बंद करने पर एनएचआरसी सख्त

नई दिल्ली। बिहार के कटिहार जिले के हफलागंज स्थित सरकारी स्कूल में 18 छात्रों को कमरे में बंद कर पीटने की घटना पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने इसे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन मानते हुए बिहार सरकार के मुख्य सचिव और कटिहार के एसपी को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में रिपोर्ट मांगी है।यह मामला 21 अगस्त का है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बच्चों को शिक्षक ने कमरे में बंद कर पिटाई की थी। अभिभावकों के पहुंचने पर मामला सामने आया और गांव में आक्रोश फैल गया। प्रदर्शन बढ़ने पर शिक्षक फरार हो गए और पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा।

रेलवे बोर्ड चेयरमैन सतीश कुमार का कार्यकाल एक वर्ष बढ़ा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रेलवे बोर्ड के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सतीश कुमार का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के स्थापना अधिकारी कार्यालय द्वारा आज जारी आदेश के अनुसार मंत्रिमंडलीय नियुक्ति समिति (एसीसी) ने भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा (आईआरएमएस) से सेवानिवृत्त सतीश कुमार के कार्यकाल विस्तार को मंजूरी दी है। वह 01 सितम्बर 2025 से एक वर्ष तक अनुबंध के आधार पर, मौजूदा शर्तों और नियमों पर कार्यरत रहेंगे या फिर अगले आदेश तक पद पर बने रहेंगे। कुमार वर्तमान में रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और सीईओ के रूप में कार्यभार संभाल रहे हैं।

जनसंख्या नियंत्रण पर तीन बच्चों की सीमा जरूरी: मोहन भागवत

वेब वार्ता, नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण और संतुलन समाज तथा राष्ट्र के भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सुझाव दिया कि हर परिवार को अधिकतम तीन बच्चों तक सीमित रहना चाहिए ताकि जनसंख्या पर्याप्त और नियंत्रित बनी रहे। डॉ. भागवत विज्ञान भवन में गुरुवार को तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला '100 वर्ष की संघ यात्रा : नए क्षितिज' के तीसरे दिन जिज्ञासा समाधान सत्र में प्रश्नों के उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा कि केवल संख्या ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि उसके पीछे का इरादा भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा, "जनसंख्या से ज्यादा इरादा क्या है, यह महत्वपूर्ण है। जनसंख्या में असमानता कभी-कभी गंभीर परिणाम देती है, यहां तक कि विभाजन जैसी परिस्थितियां भी पैदा कर सकती है। हमें इस पर गहराई से विचार करना चाहिए।"

उन्होंने कहा कि भारत में जनसंख्या असंतुलन का एक कारण जबरन या लालच देकर किए गए मतांतरण भी हैं, जिन्हें रोकना आवश्यक है। उन्होंने कहा, "धर्म व्यक्तिगत आस्था का विषय है, लेकिन यदि किसी को बलपूर्वक बदला जाता है तो यह गलत है। इसे रोकना समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है।" घुसपैठ के विषय पर सरसंघचालक ने कहा कि हर देश की तरह भारत के भी अपने कानून और सीमित संसाधन हैं। ऐसे में अवैध प्रवास स्वीकार्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि सरकार इस दिशा में कदम उठा रही है, लेकिन समाज को भी सजग होना चाहिए। उन्होंने कहा, "अवैध प्रवासियों की पहचान करनी होगी, शिकायत करनी होगी और उन्हें रोजगार नहीं देना चाहिए। यदि रोजगार देना है तो सबसे पहले अपने ही देश के नागरिकों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।"

डॉ. भागवत ने स्पष्ट किया कि भारत में सभी नागरिकों को रोजगार के अवसर मिलने चाहिए। उन्होंने कहा, "यदि कोई व्यक्ति कानूनी रूप से अनुमति लेकर आता है तो उसे काम मिल सकता है, लेकिन अवैध तरीके से देश में प्रवेश करने वालों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए।" उन्होंने जन्म दर को नियंत्रित रखने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि 2.1 का आंकड़ा सभ्यता को बनाए रखने के लिए आदर्श माना जाता है, जो व्यवहारिक रूप से तीन बच्चों के बराबर है। उन्होंने कहा, "बच्चे तीन होने चाहिए और उससे ज्यादा नहीं। यह विचार सभी को स्वीकार करना होगा। संसाधनों का संतुलित उपयोग और समाज में स्थिरता बनाए रखने के लिए जनसंख्या का नियंत्रित रहना आवश्यक है।" डॉ. भागवत ने भाषा और संस्कृति पर भी जोर देते हुए कहा कि भारत में जन्मी सभी भाषाएं राष्ट्रीय भाषाएं हैं। उन्होंने कहा कि व्यवहार और संपर्क के लिए एक सामान्य भारतीय भाषा होनी चाहिए, पर वह विदेशी भाषा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, "अंग्रेजी सीखने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन अपनी मातृभाषा और संस्कृति का त्याग नहीं करना चाहिए।"

सरकार के फैसलों में संघ की कोई भूमिका नहीं

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने स्पष्ट किया कि सरकार के फैसले संघ नहीं करता, दोनों की भूमिकाएं अलग हैं। उन्होंने कहा कि संघ केवल सलाह दे सकता है, निर्णय लेना सरकार की जिम्मेदारी है। भागवत ने कहा कि संघ किसी संगठन पर अधीनता नहीं थोपता और सभी संगठन स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। संघ और भाजपा में टकराव नहीं, केवल कभी-कभी विचारों में मतभेद हो सकते हैं लेकिन मनभेद नहीं।

तकनीकी और आधुनिकता का शिक्षा से विरोध नहीं

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि तकनीकी और आधुनिकता का शिक्षा से कोई विरोध नहीं है। शिक्षा केवल जानकारी नहीं, बल्कि संस्कार देकर संपूर्ण मनुष्य बनाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि तकनीक मनुष्य की भलाई के लिए है, लेकिन इसका मालिक मनुष्य ही रहना चाहिए। भागवत ने बताया कि नई शिक्षा नीति-2020 पंचकोशीय शिक्षा के जरिए बच्चों को अतीत से जोड़ने का प्रयास करती है।

गरीबों के वोट काटे जा रहे, जनता रहे सतर्कः राहुल गांधी

वेब वार्ता, सीतामढ़ी

राहुल गांधी का आरोप, बिहार की मतदाता सूची से 65 लाख गरीब और पिछड़ों के नाम काटे गए

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान सीतामढ़ी में जनसभा को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि बिहार की मतदाता सूची से लाखों नाम काटे जा रहे हैं और यह साजिश गरीब, दलित, अति पिछड़े, अल्पसंख्यक और किसानों का अधिकार छीनने की है। राहुल ने चेताया कि अगर वोट का अधिकार समाप्त हो गया तो गरीबों के पास न जमीन बचेगी, न राशन कार्ड और न ही न्याय की कोई गारंटी।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में भी वोट चोरी के जरिए भाजपा सत्ता में आई। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन को अधिक सीटें मिलीं, लेकिन महज चार महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में हमारे गठबंधन को हाशिये पर धकेल दिया गया। उन्होंने दावा किया कि लाखों नाम जोड़कर और काटकर चुनावी धांधली की गई।

सभा में उन्होंने बिहार के मतदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस यात्रा का मकसद यही है कि चुनाव आयोग तक यह संदेश पहुंचे कि बिहार की जनता जागरूक और सतर्क है। उन्होंने संविधान की चर्चा करते हुए कहा कि आजादी के पहले दलितों को अछूत कहा जाता था, लेकिन संविधान ने उन्हें अधिकार दिए। अब उन्हीं अधिकारों को छीनने की कोशिश हो रही है। उन्होंने दावा किया कि बिहार में मतदाता सूची से जो करीब 65 लाख नाम हटाए गए हैं, उनमें से एक भी अमीर का नाम शामिल नहीं है। यह साफ दर्शाता है कि यह साजिश गरीबों के खिलाफ है।

उन्होंने कहा, "ये लोग गरीबों का हक छीनकर सत्ता पर कब्जा करना चाहते हैं। लेकिन बिहार की जनता चुप नहीं बैठेगी।" राहुल गांधी ने यात्रा के दौरान जानकी मंदिर में भी पूजा-अर्चना की। गर्भगृह में जाकर उन्होंने माता जानकी से आशीर्वाद लिया।

राहुल गांधी कांग्रेस के नए मणिशंकर अय्यर : संबित पात्रा

वेब वार्ता, नई दिल्ली

भाजपा सांसद और प्रवक्ता संबित पात्रा ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए उन्हें 'कांग्रेस का नया मणिशंकर अय्यर' करार दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपमानजनक भाषा का लगातार इस्तेमाल विपक्ष के अहंकार और राजनीतिक हताशा को दर्शाता है।पात्रा ने याद दिलाया कि मणिशंकर अय्यर ने भी पहले पीएम मोदी का अपमान कर विवाद खड़ा किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में अब वही भूमिका राहुल गांधी निभा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी मर्यादाओं को तोड़कर गाली-गलौज की राजनीति कर रही है। "यह गांधी जी की पार्टी नहीं रही, बल्कि नकली गांधी परिवार की पार्टी बन चुकी है," पात्रा ने कहा। भाजपा सांसद ने राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वे हाल की रैलियों में पीएम मोदी को 'तू' कहकर संबोधित कर रहे हैं, जो लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता इस भाषा को समझ रही है और चुनाव में इसका जवाब जरूर देगी।

सोलह साल के बच्चों से सेक्स की बातें करना गलत : प्रियंक कानूनगो

वेब वार्ता, नई दिल्ली

देश में सहमति से सेक्स की उम्र 18 से घटाकर 16 करने पर चल रही बहस के बीच राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने कहा कि 16 साल के बच्चों से यौन संबंधों की चर्चा करना सही नहीं है। उन्होंने चेताया कि इससे बच्चों के मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक विकास पर गंभीर असर पड़ सकता है।

इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित एक चर्चा में कानूनगो ने कहा कि भले ही कुछ देशों में सहमति की उम्र 16 साल है, लेकिन भारत की सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियां अलग हैं। "जब 18 साल से कम में शादी नहीं होती तो 16 साल की उम्र में यौन संबंध की अनुमति कैसे दी जा सकती है?" उन्होंने सवाल उठाया।

उन्होंने कहा कि कम उम्र में गर्भधारण बच्चियों के स्वास्थ्य, पढ़ाई और भविष्य को खतरे में डाल देगा। किशोरावस्था में बच्चे भावनात्मक झटकों से गुजरते हैं और ऐसे में उन पर विवाह या यौन संबंध जैसी जिम्मेदारियां डालना अनुचित है। कार्यक्रम में डॉक्टरों ने भी कम उम्र में गर्भधारण और प्रसव को बच्चियों के लिए खतरनाक बताया। सामाजिक संगठनों और मीडिया प्रतिनिधियों ने कहा कि यह मुद्दा सिर्फ कानून का नहीं बल्कि बच्चों की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षा से गहराई से जुड़ा है।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने 16 से 18 वर्ष के किशोरों के आपसी सहमति से बने संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर रखने की दलील दी है। हालांकि विधि आयोग ने उम्र घटाने की सिफारिश नहीं की, लेकिन अदालतों को ऐसे मामलों में न्यायिक विवेक से फैसला लेने की सलाह दी थी। हाल ही में मद्रास हाईकोर्ट ने 17 साल की लड़की को लेकर भागे 23 साल के युवक को दोषी ठहराते हुए 10 साल की सजा सुनाई, जिससे यह बहस और तेज हो गई है।

सेना प्रमुख ने अल्जीरिया में सैन्य रणनीतिक साझेदारी पर की अहम चर्चा

वेब वार्ता, नई दिल्ली

चार दिवसीय राजकीय यात्रा के आखिरी दिन सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने गुरुवार को अल्जीरिया के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री के प्रतिनिधि और पीपुल्स नेशनल आर्मी के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल सईद चानेग्रिहा से मुलाकात की। इस दौरान द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने, गहन सहयोग के अवसर तलाशने और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने पर चर्चा हुई। इस मौके पर अल्जीरिया में भारतीय राजदूत डॉ. स्वाति विजय कुलकर्णी भी मौजूद रहे।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आज ही अल्जीरिया के सैन्य प्रशिक्षण प्रमुख मेजर जनरल औमारी के साथ बातचीत की। यह चर्चा प्रशिक्षण पद्धतियों, व्यावसायिक सैन्य शिक्षा, सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान और अधिकारियों एवं कैडेटों के लिए संभावित आदान-प्रदान कार्यक्रमों पर केंद्रित रही। वार्ता में दोनों सेनाओं के बीच संस्थागत संबंध मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। सेना प्रमुख ने अल्जीरिया के सैन्य उद्योगों के प्रतिनिधियों के साथ भी बातचीत की। इस बातचीत में भारत और अल्जीरिया के बीच रक्षा उत्पादन, प्रौद्योगिकी और नवाचार में सहयोग के अवसरों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

जनरल द्विवेदी ने अल्जीरिया के टामेंटफॉस्ट स्थित स्कूल ऑफ कमांड एंड मेजर स्टाफ का दौरा किया। उन्हें स्टाफ और उच्च कमान जिम्मेदारियों के लिए मध्य-स्तरीय अधिकारियों के प्रशिक्षण में संस्थान की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। संकाय और छात्र अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए सेना प्रमुख ने उनकी व्यावसायिकता की सराहना की और उन्हें सैन्य नेतृत्व में उत्कृष्टता प्राप्त करने और राष्ट्र की निःस्वार्थ सेवा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

जनरल द्विवेदी ने अल्जीरिया के अधिकारी प्रशिक्षण के प्रमुख संस्थान चेरशेल सैन्य अकादमी का दौरा किया। सेना प्रमुख को अल्जीरियाई सेना में अधिकारियों के रूप में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने के लिए कैडेटों को तैयार करने में अकादमी की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। संकाय सदस्यों के साथ बातचीत करते हुए सेना प्रमुख ने उनके समर्पण और प्रशिक्षण के उत्कृष्ट मानकों की सराहना की और उन्हें राष्ट्र सेवा में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। सेना प्रमुख ने आगे कहा कि वह चेरशेल अकादमी और भारतीय सशस्त्र बलों के प्रशिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान के लिए तत्पर हैं।

इंडियन आर्मी खरीदेगी 30 पैसिव सर्विलांस सिस्टम

नई दिल्ली। भारतीय सेना अब सीमाओं को और अभेद्य बनाने की तैयारी कर रही है। आधुनिक युद्ध में ड्रोन और स्टील्थ विमानों से बढ़ते खतरे को देखते हुए सेना ने 30 पैसिव सर्विलांस सूट और डिटेक्शन सिस्टम खरीदने की प्रक्रिया शुरू की है। इन सिस्टम्स की खासियत यह है कि ये बिना कोई सिग्नल भेजे काम करते हैं, जिससे दुश्मन को उनकी मौजूदगी का पता नहीं चल पाता। मौजूदा रडार जहां सिग्नल छोड़कर निगरानी करते हैं और आसानी से पकड़ में आ जाते हैं, वहीं पैसिव सर्विलांस सिस्टम बिल्कुल चुपचाप दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखते हैं। सेना ने इसके लिए आरपीएफ जारी किया है। यह खरीद 'बाय (इंडियन)' श्रेणी के तहत होगी, यानी इन हाई-टेक सिस्टम्स का निर्माण भारत में ही किया जाएगा। इससे न केवल सेना की निगरानी क्षमता बढ़ेगी बल्कि देशी रक्षा उद्योग को भी मजबूती मिलेगी।

ट्रंप के टैरिफ का क्या है तोड़?

भारत के खिलाफ मोर्चा खोले अमेरिकी राष्ट्रपति के आर्थिक सलाहकार पीटर नवारो ने जिस तरह यह बेतुका आरोप उछाला कि यूक्रेन संघर्ष मोदी का युद्ध है, उससे भारतीय प्रधानमंत्री की वह आशंका ही रेखांकित होती है, जिसमें उन्होंने किसानों, मछुआरों आदि के हितों की रक्षा के लिए अडिग रहने की बात कहते हुए कहा था कि इनके हित के लिए उन्हें व्यक्तिगत रूप से कीमत चुकानी पड़ेगी और वे इसके लिए तैयार हैं। क्या उनका आशय राजनीतिक नुकसान से था? क्या इसका अंदेशा है कि ट्रंप प्रशासन मोदी को राजनीतिक रूप से कमजोर करने की कोशिश कर सकता है? पता नहीं ट्रंप के मन में क्या है, पर यह किसी से छिपा नहीं कि अमेरिका किस तरह दूसरे देशों में राजनीतिक हस्तक्षेप करता रहा है। ट्रंप इस कारण भारत से चिढ़ गए लगते हैं कि आपरेशन सिंदूर पर भारतीय प्रधानमंत्री ने उनके अहं को तुष्ट नहीं किया। यह भी हो सकता है कि आपरेशन सिंदूर के बाद उनके भारत विरोधी तेवरों से मोदी ने भी उनसे दूरी बनाना उचित समझा हो। जो भी हो, पीटर नवारो वही हैं, जिन्हें ट्रंप की टैरिफ नीति का जनक माना जाता है।

पीटर नवारो भारत के खिलाफ पहले भी बेजा बयान दे चुके हैं। उनका यह कथन उनकी भारत विरोधी मानसिकता का ही परिचायक है कि भारत के उच्च टैरिफ के कारण हमारी नौकरियां, कारखाने, आय और उच्च वेतन खत्म हो रहे हैं। उनका यह कहना तो नितांत हास्यास्पद है कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध के लिए भारत जिम्मेदार है। वास्तव में इसके लिए यूरोप और खुद अमेरिका जिम्मेदार है। इन देशों ने यूक्रेन को रूस के खिलाफ खड़ा करने की हरसंभव कोशिश के तहत जब उसे नाटो का सदस्य बनाने की कोशिश की, तब रूस ने आक्रामक रवैया अपनाया और अंततः उस पर हमला कर दिया। तथ्य यह भी है कि यूक्रेन को रूस से लड़ते रहने के लिए हथियार और आर्थिक सहायता यूरोप एवं अमेरिका ही उपलब्ध करा रहे हैं। इन स्थितियों में मोदी सरकार को ट्रंप प्रशासन से और सतर्क रहना होगा। इस सतर्कता के साथ ही उसे ट्रंप टैरिफ की चुनौती का सामना करने के लिए युद्धस्तर पर प्रयत्न करने होंगे। इसलिए करने होंगे, क्योंकि कई क्षेत्रों के निर्यातकों को नुकसान होने और कुछ नौकरियां जाने की आशंका निराधार नहीं। निर्यातकों और कामगारों को राहत देने के लिए सरकार को ठोस उपाय करने होंगे। यह उचित ही है कि सरकार ने 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ लागू हो जाने के बाद भारतीय वस्त्रों के लिए अनेक ऐसे देशों की पहचान की है, जिन्हें निर्यात बढ़ाया जा सकता है। यह भी समय की मांग है कि भारत अमेरिका के खिलाफ चीन से रिश्ते सामान्य करने के साथ ब्रिक्स का इस्तेमाल करे। ऐसा करते हुए भारत को चीन से सावधान भी रहना होगा।

बीमारी से बड़ी बन चुकी है इलाज की लूट

डॉ. सत्यवान 'सौरभ'

अस्पताल का नाम सुनते ही मन में उम्मीद जगती है। लगता है कि यहाँ पहुँचने के बाद जीवन सुरक्षित हो जाएगा, बीमारी दूर होगी और पीड़ा का अंत होगा। लेकिन जब यही अस्पताल भय, चिंता और शोषण का केंद्र बन जाए, तो सवाल उठता है कि आखिर मरीज और परिजनों के लिए अस्पताल जाना वरदान है या अभिशाप? मेरे साथ घटित यह अनुभव केवल एक व्यक्तिगत घटना नहीं, बल्कि पूरे समाज का दर्द है। एक नन्ही सी जान, जो केवल थोड़ी देखभाल और सच्चे उपचार से स्वस्थ हो सकती थी, उसे डॉक्टरों ने लालच और व्यावसायिक मानसिकता के चलते वेंटिलेटर तक पहुँचा दिया। नॉर्मल केस को भी वेंटिलेटर पर डाल दिया गया, क्योंकि कमरे का एक दिन का किराया बढ़ाना ज़रूरी समझा गया। इसने हमें मानसिक रूप से तोड़ दिया, आर्थिक रूप से निचोड़ दिया और शारीरिक रूप से थका दिया। उस समय ऐसा लगा मानो सांसें गले में अटकी हों और भगवान भी कहीं दूर खड़े केवल तमाशा देख रहे हों। हमारे समाज में डॉक्टरों को "भगवान" का दर्जा दिया जाता रहा है। लोग विश्वास करते थे कि डॉक्टर जीवनदाता है। लेकिन आज हालात बदल गए हैं। आज का डॉक्टर अक्सर पैसों का सौदागर लगता है। कई बार ऐसा लगता है कि डॉक्टर इलाज से पहले फीस, दवा कंपनी और मुनाफ़े का हिसाब लगाता है। डॉक्टर और कसाई में फर्क यही था कि कसाई को देखकर हमें पता होता है कि वह काटेगा, लेकिन डॉक्टर के पास जाते समय यह भरोसा होता था कि वह जीवन देगा। जब वही भरोसा टूटता है तो पीड़ा असहनीय हो जाती है।

आज अस्पतालों की दुनिया एक "मेडिकल माफ़िया" की तरह काम करती है। दवाइयाँ कई गुना दामों पर बेची जाती हैं। अनावश्यक टेस्ट कराए जाते हैं ताकि बिल मोटा हो। मामूली बुखार या संक्रमण को गंभीर बीमारी बनाकर मरीज को भर्ती किया जाता है। और अगर भर्ती हो गया तो आईसीयू और वेंटिलेटर तक का रास्ता दिखाना आम बात हो गई है। दवा कंपनियाँ, अस्पताल मालिक और डॉक्टरों का यह त्रिकोणीय गठजोड़ मरीज की मजबूरी का सबसे बड़ा सौदागर बन गया है। दवा वही लिखी जाती है जिस पर सबसे बड़ा कमीशन मिलता है। मरीज की जेब खाली होना डॉक्टर की सफलता बन गया है।

भारत जैसे देश में जहाँ लाखों लोग गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं, वहाँ अस्पताल के बिल परिवार को सड़क पर ला सकते हैं। लोग मकान, गहने, ज़मीन तक बेच देते हैं ताकि प्रियजन का इलाज हो सके। लेकिन जब इतनी क़ीमत चुकाने के बाद भी अस्पताल से शव ही घर आए, तो उस परिवार की मानसिक पीड़ा की कल्पना करना मुश्किल है। आज इलाज से ज़्यादा महंगा वह डर है जो हर परिवार को अस्पताल की ओर कदम बढ़ाते समय घेर लेता है। लोग यह प्रार्थना करते हैं कि वे अस्पताल से "जिन्दा" लौट आएँ, वरना लुटकर लौटना लगभग तय है।

यह केवल अस्पताल या डॉक्टर का मुद्दा नहीं है, बल्कि पूरे समाज की नैतिकता का संकट है। जब शिक्षा को व्यवसाय बना दिया गया, तो डॉक्टर फैक्टरी से निकलने लगे। मेडिकल शिक्षा में भारी खर्च होता है, और वही खर्च बाद में मरीजों से वसूला जाता है। इस चक्र ने सेवा की भावना को कुचल दिया है। डॉक्टरों को याद रखना चाहिए कि उनका पेशा सिर्फ व्यवसाय नहीं, बल्कि समाज सेवा का संकल्प है। यदि यह संकल्प टूट गया, तो समाज में विश्वास और संबंध दोनों ही खत्म हो जाएंगे।

इस भयावह स्थिति से निकलने के लिए केवल शिकायत करना पर्याप्त नहीं है। कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। सरकारी अस्पतालों को मजबूत करना जरूरी है ताकि आम आदमी महंगे निजी अस्पतालों का शिकार न बने। दवाइयों और टेस्ट पर सख्त नियंत्रण हो ताकि अनावश्यक बोझ मरीज पर न डाला जा सके। मेडिकल शिक्षा में सुधार जरूरी है जिससे केवल पैसा कमाने वाले नहीं, बल्कि सेवा भाव रखने वाले युवा डॉक्टर तैयार हों। हर गलत इलाज, अनावश्यक भर्ती और लापरवाही पर कठोर दंड देने वाले कानून बनाए जाएँ। साथ ही मरीजों और परिवारों को उनके अधिकारों और विकल्पों की जानकारी देने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाएँ।

सच है कि आज हालात भयावह हैं। डॉक्टरों की छवि कसाई जैसी हो गई है। लेकिन फिर भी यह नहीं भूलना चाहिए कि आज भी हजारों ऐसे डॉक्टर हैं जो सेवा को धर्म मानते हैं और ईमानदारी से मरीजों का इलाज करते हैं। हमें उन डॉक्टरों को सम्मान देना होगा और बाकी व्यवस्था को बदलने के लिए आवाज़ उठानी होगी। अस्पताल जाना किसी सौदेबाज़ी का हिस्सा नहीं होना चाहिए। मरीज और उसके परिवार की पीड़ा को पैसा कमाने का साधन बनाना सबसे बड़ा पाप है। डॉक्टर तभी फिर से भगवान कहलाएंगे जब वे सेवा और मानवता को अपने पेशे का आधार बनाएँगे। जब तक व्यवस्था में पारदर्शिता और इंसानियत नहीं लौटती, तब तक हर परिवार यही सवाल पूछता रहेगा- "अस्पताल से जिन्दा कैसे लौटे?"

उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव पर गहराती राजनीति की छाया

उपराष्ट्रपति के जिस पद को कभी गणतंत्र की खामोश अंतरात्मा माना जाता था, वह आज इसका वाचाल परिचालन केंद्र है। जो कुर्सी कभी दार्शनिक, राजनीतिज्ञ और संविधान के रक्षक की कुर्सी मानी जाती थी, वह अब परम सत्ता संरक्षक, चुनावी प्रतिनिधि और सत्ता की विचारधारा के आक्रामक समर्थक की कुर्सी बन गई है। इस साल का विवाद, पहले की तरह, दो भारत के बारे में बताता है। एनडीए ने संघ के स्वयंसेवक सीपी राधाकृष्णन को इस पद के लिए चुना है, जो तमिलनाडु से हैं। इसके विपरीत, इंडिया गठबंधन ने न्यायमूर्ति बी सुदर्शन रेड्डी को चुना है, जो न्यायशास्त्र की अंतरात्मा के प्रतिनिधि हैं। ऊंची जाति के होने के बावजूद वह उदारवादी हैं तथा नागरिक आजादी, संवैधानिक नैतिकता और न्यायिक शुद्धता के आग्रही हैं। गणतंत्र के शुरुआती दशक में उपराष्ट्रपति का चुनाव सर्वसम्मति से हुआ करता था, और समान विचारधारा की बजाय योग्यता पर जोर दिया जाता था। सर्वपल्ली राधाकृष्णन, जाकिर हुसैन, गोपाल स्वरूप पाठक-ये सभी सर्वसम्मति से चुने गए थे। लेकिन इंदिरा गांधी ने दबाव बनाने के युग की शुरुआत की।

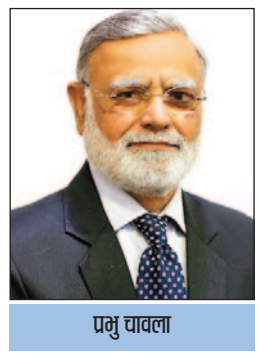

प्रभु चावला

उन्होंने परंपरा पर निष्ठा को तरजीह दी। इस तरह जाति, पंथ तथा क्षेत्र चुनाव के आधार बनने लगे। यह प्रवृत्ति रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जाने लगी, क्योंकि सत्ताधारी वर्ग ने संसद को संवाद के मंच की बजाय विधेयकों को पारित करने की जगह मान लिया।

चूंकि उत्तरोत्तर आने वाली सरकारों ने अपने बहुमत के बूते लोकसभा में विधेयकों को पारित कराना शुरू कर दिया, ऐसे में राज्यसभा लोकतंत्र की खासियत की आखिरी सीमा बनी। ऐसे में, उच्च सदन में उपराष्ट्रपति का नियंत्रण बहुत महत्वपूर्ण हो गया। उपराष्ट्रपति अगर तटस्थ होता है, तो चीजें मुश्किल हो सकती हैं, समान विचारधारा का होने पर फायदा है। अब तक के उपराष्ट्रपतियों का रोस्टर समाजशास्त्र के सिलेबस की तरह लगता है : ब्राह्मण, दलित, मुस्लिम, लिंगायत, जाट, कायस्थ, कम्मा। हर चुनाव ने एक सांस्कृतिक गणना दिखाई, तो हर हार में गहरे मतभेद सामने आए। जैसे, शिंदे बनाम शेखावत (दलित बनाम राजपूत), हेपतुल्ला बनाम अंसारी (मुस्लिम विविधता बनाम मुस्लिम कूटनीति), अल्वा बनाम धनखड़ (ईसाई अल्पसंख्यक बनाम हिंदू बहुसंख्यक)।

हर उपराष्ट्रपति चुनाव की अपनी कहानी है। वर्ष 2002 में यूपीए ने महाराष्ट्र से चर्चित दलित चेहरे सुशील कुमार शिंदे को भाजपा दिग्गज और राजस्थान के प्रमुख राजपूत नेता भैरों सिंह शेखावत के मुकाबले मैदान में उतारा। वह शुद्ध रूप से जाति आधारित मुकाबला बन गया।

वर्ष 2007 में एनडीए ने विमर्श बदल दिया : उसने उपकुलपति रहे दिग्गज कूटनीतिज्ञ और शैक्षणिक तथा भारतीय विदेश सेवा से जुड़े संस्थानों से जुड़े मुस्लिम प्रत्याशी हामिद अंसारी के मुकाबले मुस्लिम महिला नजमा हेपतुल्ला को उतार दिया। यूपीए के सांस्थानिक उदारवाद के मुकाबले एनडीए ने विविधता का पक्षधर होने की सुविचारित कोशिश की। यह सिलसिला 2022 में भी जारी रहा, जब यूपीए ने कर्नाटक से एक वरिष्ठ ईसाई नेत्री मार्गरेट अल्वा को उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बनाया। महिला और अल्पसंख्यक होने के साथ दक्षिणी राज्य कर्नाटक का होने के कारण यूपीए की प्रतीकवाद राजनीति सुस्पष्ट थी। मार्गरेट अल्वा का मुकाबला राजस्थान के जाट नेता और नरेंद्र मोदी के प्रति घोषित निष्ठावान जगदीप धनखड़ से हुआ।

नतीजा जोरदार रहा : धनखड़ 346 मतों से विजयी हुए। एक बार फिर भाजपा का राज्यसभा में नियंत्रण हो गया। कभी प्रतिनिधित्व को संतुलित करने के लिए जिस जातिगत समीकरण का प्रयोग किया जाता था, अब उसका इस्तेमाल विपक्षी एकता को विभाजित और बाधित करने के लिए किया जाने लगा। वर्ष 2025 में भी यह सिलसिला जारी है। इंडिया गठबंधन उम्मीद कर रहा है कि सुदर्शन रेड्डी की क्षेत्रीय पहचान एनडीए में फूट पैदा कर सकती है। इसके विपरीत, एनडीए को विश्वास है कि संघ का एक परंपरावादी आदमी धर्मनिरपेक्ष शिविर में सेंध लगा देगा। ये दोनों प्रत्याशी नहीं, शतरंज के दांव हैं, और खेल का उद्देश्य संघवाद को विखंडित करना है।

प्रसंगवश

आज पैसे के लिए कितना गिर गया है इंसान

आज इंसान पैसे देने की बात आती है तो पैसा रहते हुए मुकर जाता है कहीं ठगी का शिकार होते हैं खासकर ऑनलाइन में ज्यादा हो गया है आप ही सोचें ऑनलाइन में टैक्स दिखाना पड़ता है और डिलीवरी भी फ्री लेकिन क्वालिटी में घटिया ही मिलता है कितने तो सामान ऑनलाइन में टूट जाता है और रिटर्न्स करने पर वीडियो की मांग करते हैं जिससे सामान खरीदने का मजा किरकिड़ा हो जाता है कुछ साइट तो ऐसे हैं जो कम दाम पर सामान तो देती है लेकिन यदि रिटर्न्स करते है तो कंपनी की पालिसी के कारण रिटर्न नहीं हो पाता, अब बताएं ऑनलाइन शॉप पैसे कमाने के लिए कितना गिर गई है कंपनी, ऐ केवल शॉपिंग में नहीं है ऐ कैब बुकिंग में हो रहा है कभी 10-15 किलोमीटर दूर टैक्सी का भाड़ा 200 -250 रूपये होता है कभी ऐ 1000रूपये तक हो जाता है और प्राइवेट कैब अब रात में चलने लायक नहीं रहा इसी तरह की घटना मेरे साथ हुई जो इंसानियत को तार तार करके रख देगी ऐ 23 अगस्त 25 की रात की घटना है मैं यहाँ से एयरपोर्ट 350 रुपये में 10:30 बजे उबर से गया मेरी मिसेज़ नागपुर से मुंबई इंडिगो फ्लाइट से 10:30 रात को चलकर 12 बजे मुंबई के T1 टर्मिनल पर आई मेरे निवास स्थान से एयर पोर्ट की दुरी 15कि-लोमीटर के आस पास होगी मैंने 10 मिनट इंतज़ार के बाद मिसेज़ को रिसीव करने गया और मिलने के बाद उबर बुक किया जिसमें 550 से लेकर 700 रूपये तक आ रहे थे अतः कम वाला 559 रूपये वाला बुक किया गाड़ी का नम्बर एमएच-01-ईएम-9673 था जैसे ही कॉल किया 2 मिनट में P4 में आ गया वहाँ नहीं पूछा कहाँ जाना है 200 मीटर की दुरी पर चलने के बाद बोला ख़त्म हो गया लोकेशन और उसके वॉलेट से 550 रूपये कट चुके थे अतः मैंने पूछा यार ऐ तो सरा सर नाइंसाफी है दो कदम चलने के बाद इतना पैसे कैसे हो गया जबकी मेरा ही नहीं मेरी मिसेज़ के उबर एप्प में भी घर का लोकेशन ही दिखा रहा था और तुरंत उसने क्या किया मैं समझ ही नहीं पाया की लोकेशन ईण्ड दिखा रहा था यात्रा में बहस करना अच्छा नहीं समझा और जब चेंग लोकेशन किया तो वॉलेट में पैसा नहीं होने के कारण नहीं ले रहा था ऐसा लग रहा था जैसे पैसा फेको और तमाशा देखो फिर उसके वॉलेट में पैसा भरा और लोकेशन चेंज के बाद एक दम से भाड़ा 950 रूपये हो गया तब मैंने बोला ऐसे पैसा मत कमायो इंसान हो इंन्सानियत होनी चाहिए आपको मालूम होगा मुझे कहाँ जाना है और एयर पोर्ट मेरा घर नहीं है हमने गलती से ही यदि एक ही लोकेशन डाला है तो किसी भी इंसान का फ़र्ज बनता है बताना जैसा की एक बार बिहार में हुआ था उसने भी उबर में कहा था आपका लोकेशन गलती से यहीं का हो गया वो भी एक टैक्सी ड्राइवर था लेकिन दिन रात टैक्सी चलाने वाले को मालूम होता है कि रास्ता में कीचकीच होगा वहाँ ऐसा ही होने पर लोग इकठ्ठा हो जाते हैं और टैक्सी वाले को समझाते हैं नहीं समझने पर पीट भी देते हैं अपने शहर में एकजुटता है लेकिन यहाँ नहीं मुझे भी गुस्सा आया तो बोलता है यहाँ उतरेंगे तो 500 रूपये और हो जायेगा हमने बोला अच्छा हुआ मैं रात को देखते हुए मिसेज़ को रिसीव करने आया नहीं तो तुम लूट ही लेते बोला क्या मैं लुटेरा लगता हूँ मैंने कहाँ हाँ तुम्हारे मन में इंसानियत नहीं है और लालच है और लालच में इंसान कुछ भी कर बैठता है फिर कहा मुझे उबर वाला काटकर सिर्फ 500 रूपये ही देगा मैंने कहा यदि उबर तुम्हे शोषण करता है तो मत चलावो गाड़ी भगवान ने शरीर दिया है मेहनत से कमा लो लेकिन बेईमान होने से अच्छा है ईमानदार होना इस बहस के बाद घर में आने पर 1:10 बज चुके थे और वो तो गाड़ी चला रहा होगा लेकिन मेरा तनाव से रात भर नींद नहीं आया अतः ईमानदार होना ज्यादा अच्छा है बेइज्जती से रहने की बजाये आखिर वो भी तो इंसान था लेकिन लालच ने इंसान नहीं हैवान बना दिया हालांकि लोकल टैक्सी का ऑप्शन भी था जो नाईट चार्ज लेकर 400 रूपये से कम ही आती है मुझे पुरी तरह याद है मैंने डेस्टिनेशन अपना निवास स्थान ही डाला था ऐ मान कर चलो कि आपको अंत में भगवान श्री राम के चरणविंद के अलावा संसार से कुछ भी नहीं मिलने वाला है क्योंकि वो मेरा नहीं है अतः कुछ समय अवश्य उनके लिए समय निकालना चाहिए। तभी एक अच्छा इंसान बन सकते हैं।

संजय गोस्वामी

दहेज लोभियों की भेंट चढ़ रही बेटियां

सुभाष बुड़ावन वाला

एनसीआरबी की 2022 की रिपोर्ट बताती है कि साल भर में 6,450 महिलाएं दहेज हत्या की शिकार हुईं, यानी भारत में हर दिन औसतन 54 महिलाएं दहेज लोभियों के हाथों अपनी जान गंवा रही हैं। यह आंकड़ा बताता है कि दहेज की समस्या सिर्फ कानून बनाने से खत्म नहीं होने वाली।

ग्रेटर नोएडा की निक्की की दर्दनाक मौत से हमारे समाज और व्यवस्था पर गहरे सवाल खड़े होते हैं। शादी जैसे पवित्र बंधन को जब आर्थिक लेन-देन और लालच से जोड़ा जाता है, तो उसका परिणाम अक्सर हिंसा और मौत के रूप में सामने आता है। एनसीआरबी की 2022 की रिपोर्ट बताती है कि साल भर में 6,450 महिलाएं दहेज हत्या की शिकार हुईं, यानी भारत में हर दिन औसतन 54 महिलाएं दहेज लोभियों के हाथों अपनी जान गंवा रही हैं। यह आंकड़ा बताता है कि दहेज की समस्या सिर्फ कानून बनाने से खत्म नहीं होने वाली। इसके लिए सामाजिक और प्रशासनिक, दोनों स्तरों पर गहरी पहल की जरूरत है।

ऐसा नहीं है कि दहेज हत्या को रोकने के लिए प्रयास नहीं किए गए हैं। 1961 में दहेज निषेध अधिनियम बनाया गया, जिसके बाद आईपीसी की धारा 304बी और 498ए, और 2005 का घरेलू हिंसा अधिनियम लागू किए गए। इन कानूनों का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षा देना और दोषियों को कड़ी सजा दिलाना था। हालांकि, जमीन पर स्थिति निराशाजनक ही है। धीमी जांच, वर्षों तक खिंचने वाली सुनवाई, गवाहों का मुकर जाना और सामाजिक दबाव के चलते दोषियों को सजा नहीं मिल पाती। नतीजतन, पीड़ित परिवार न्याय के लिए भटकता रहता है। हालांकि, दहेज विरोधी कानूनों का

दुरुपयोग भी एक बड़ा मसला है। कई बार झूठे मामले दर्ज करके ससुराल वालों को प्रताड़ित किया जाता है और बदला लेने की मानसिकता से काम किया जाता है। इस कारण पुलिस और प्रशासन ऐसे मामलों पर संवेदनशील होकर काम करने के बजाय संदेह करने लगे हैं।

इस स्थिति में सुधार बेहद जरूरी है। सबसे पहले, जांच और सुनवाई की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाया जाना चाहिए। दूसरा, पुलिस और प्रशासन को इस कदर प्रशिक्षण दिया जाए कि वे संवेदनशीलता दिखाएं और हर शिकायत को गंभीरता से लें, चाहे मामला असली हो या झूठा। तीसरा, झूठे मामलों की पहचान करने और उन पर कार्रवाई की व्यवस्था हो, ताकि कानून का गलत इस्तेमाल रुक सके और इसकी विश्वसनीयता बनी रहे। चौथा, समाज में जागरूकता अभियान चलाए जाएं कि बेटियां बोझ नहीं हैं और शादी किसी आर्थिक सौदेबाजी का नाम नहीं। यदि हमें अपनी बेटियों को सचमुच सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन देना है, तो कानून को केवल किताबों में नहीं, बल्कि जमीन पर लागू करना होगा। इसके साथ ही जरूरी यह भी है कि समाज की सोच व्यापक बने। ऐसा होने पर ही निक्की जैसी मासूम जिंदगियां बचाई जा सकेंगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार है)

संभल हिंसा रिपोर्ट

संभल हिंसा पर गठित तीन सदस्यीय समिति की लगभग 450 पृष्ठों की रिपोर्ट ने कई अहम तथ्य उजागर किए हैं। यह रिपोर्ट न केवल 24 नवंबर 2023 को हुई हिंसा की तह तक जाती है, बल्कि संभल की बदलती जनसांख्यिकीय स्थिति, अतिक्रमण, और धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती है। समिति ने स्पष्ट किया कि आज़ादी के समय संभल में हिंदू आबादी लगभग 45 प्रतिशत थी, जो अब घटकर करीब 15 प्रतिशत रह गई है। इसके विपरीत मुस्लिम समुदाय का अनुपात लगातार बढ़ा है, जिससे स्थानीय सामाजिक समीकरण भी प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि कभी संभल धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का केंद्र था, जहां 68 तीर्थस्थल और 19 पवित्र कुएं मौजूद थे। लेकिन समय के साथ इनमें से कई स्थलों पर अतिक्रमण हो गया या वे उपेक्षा का शिकार हो गए। पिछले वर्ष की हिंसा के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने इन धरोहरों के पुनरुद्धार की पहल की है। यह प्रयास केवल धार्मिक दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि सामाजिक संतुलन और सांप्रदायिक सौहार्द बहाल करने के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। समिति ने यह भी संकेत दिया कि 1947 से अब तक संभल में 15 बड़े दंगे हो चुके हैं और जिन समुदायों की आबादी लगातार घटी है, उन्हें पीड़ित मानने में कोई हर्ज नहीं। सवाल यह है कि आखिर इतने दंगे क्यों हुए और समय रहते इन्हें क्यों नहीं रोका जा सका? रिपोर्ट के अनुसार, जब प्रशासन और पुलिस दंगों को नियंत्रित करने में नाकाम रहती है, तो इसका सीधा असर स्थानीय जनसांख्यिकीय पर पड़ता है। रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि जनसांख्यिकीय बदलाव एक स्वाभाविक प्रक्रिया हो सकता है, लेकिन हिंसा और असुरक्षा के कारण होने वाले बदलाव समाज के लिए घातक हैं। इसलिए सरकार और प्रशासन को सख्त कानून-व्यवस्था लागू करनी होगी और समाज को भी अपनी सांस्कृतिक धरोहरों की रक्षा के लिए आगे आना होगा। समिति ने सुझाव दिया है कि इस रिपोर्ट को राजनीतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि समाज सुधार, कानून व्यवस्था की मजबूती और भविष्य की शांति व्यवस्था के लिए उपयोग करना चाहिए।

ध्यानचंद की हॉकी स्टिक में था 'जादू'!

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 29 अगस्त को भारत में हॉकी के पूर्व कप्तान मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन को 'खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में 29 अगस्त 1905 को जन्मे ध्यानचंद हॉकी के ऐसे महान् खिलाड़ी और देशभक्त थे कि उनके करिश्माई खेल से प्रभावित होकर जब एक बार जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने उन्हें अपने देश जर्मनी की ओर से खेलने का न्यौता दिया तो ध्यानचंद ने उसे विनम्रतापूर्वक ठुकराकर सदा अपने देश के लिए खेलने का प्रण लिया। हालांकि उन्हें बचपन में खेलने का कोई शौक नहीं था और साधारण शिक्षा ग्रहण करने के बाद वे सोलह साल की आयु में दिल्ली में सेना की प्रथम ब्राह्मण रेजीमेंट में सिपाही के रूप में भर्ती हो गए थे। सेना में भर्ती होने तक उनके दिल में हॉकी के प्रति कोई लगाव नहीं था। सेना में भर्ती होने के बाद उन्हें हॉकी खेलने के लिए प्रेरित किया हॉकी खिलाड़ी सूबेदार मेजर तिवारी ने, जिनकी देखरेख में ही ध्यानचंद हॉकी खेलने लगे और बहुत थोड़े समय में ही हॉकी के ऐसे खिलाड़ी बन गए कि उनकी हॉकी स्टिक मैदान में दनादन गोल दागने लगी। उनकी हॉकी स्टिक से गेंद अक्सर इस कदर चिपकी रहती थी कि विरोधी टीम के खिलाड़ियों को लगता था, जैसे ध्यानचंद किसी जादुई हॉकी स्टिक से खेल रहे हैं। इसी शक के आधार पर एक बार हॉलैंड में उनकी हॉकी स्टिक तोड़कर भी देखी गई कि कहीं उसमें कोई चुम्बक या गोंद तो नहीं लगा है लेकिन किसी को कुछ नहीं मिला। उन्हें अपने जमाने का हॉकी का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी माना जाता है, जिसमें गोल करने की कमाल की क्षमता थी। भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा ध्यानचंद को शताब्दी का खिलाड़ी घोषित किया गया था।

1922 में सेना में भर्ती होने के बाद से 1926 तक ध्यानचंद ने केवल आर्मी हॉकी और रेजीमेंट गेम्स खेले। उसके बाद उन्हें भारतीय सेना टीम के लिए चुना गया, जिसे न्यूजीलैंड में जाकर खेलना था। उस दौरान हुए कुल 21 मैचों में से उनकी टीम ने 18 मैच जीते जबकि दो मैच ड्रा हुए और केवल एक मैच उनकी टीम हारी। मैचों में ध्यानचंद के सराहनीय प्रदर्शन के कारण भारत लौटते ही उन्हें लांस नायक बना दिया गया और उन्हें सेना की हॉकी टीम में स्थायी जगह मिल गई। 1928 में एम्सटर्डम में होने वाले ओलम्पिक के लिए भारतीय टीम का चयन करने हेतु भारतीय हॉकी फेडरेशन द्वारा टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें कुल पांच टीमों ने हिस्सा लिया।

ध्यानचंद को सेना द्वारा यूनाइटेड प्रोविंस की ओर से टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति मिल गई और अपने शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाली टीम में जगह मिल गई। 1928, 1932 और 1936 के ओलम्पिक खेलों में ध्यानचंद ने न केवल भारत का नेतृत्व किया बल्कि लगातार तीनों ओलम्पिक में भारत को स्वर्ण पदक भी दिलाए।

दो बार के ओलम्पिक चैम्पियन केशव दत्त का ध्यानचंद के बारे में कहना था कि वह हॉकी के मैदान को उस ढ़ंग से देख सकते थे, जैसे शतरंज का खिलाड़ी चेस बोर्ड को देखता है। इसी प्रकार भारतीय ओलम्पिक टीम के कप्तान रहे गुरूबख्श सिंह का कहना था कि 54 साल की उम्र में भी ध्यानचंद से भारतीय टीम का कोई भी खिलाड़ी बुली में उनसे गेंद नहीं छीन सकता था। मेजर ध्यानचंद ने 43 वर्ष की उम्र में वर्ष 1948 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहा। हॉकी में बेमिसाल प्रदर्शन के कारण ही उन्हें सेना में पदोन्नति मिलती गई और वे सूबेदार, लेफ्टिनेंट तथा कैप्टन बनने के बाद मेजर पद तक भी पहुंचे और 1956 में 51 वर्ष की आयु में सेना से मेजर पद से सेवानिवृत्त हुए। उसी वर्ष उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्ति के बाद वे माउंट आबू में हॉकी कोच के रूप में कार्यरत रहे और बाद में कई वर्षों तक पाटियाला के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में चीफ हॉकी कोच बन गए। 3 दिसम्बर 1979 को उन्होंने दिल्ली के एम्स में अंतिम सांस ली। अपने कैरियर में उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ एक हजार से भी ज्यादा गोल दागे। भारत सरकार द्वारा मेजर ध्यानचंद के सम्मान में वर्ष 2002 में नेशनल स्टेडियम का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम कर दिया गया। ध्यानचंद इतने महान हॉकी खिलाड़ी थे कि वियना के स्पोर्ट्स क्लब में उनकी चार हाथों में चार हॉकी स्टिक लिए एक मूर्ति लगाई गई है और उन्हें एक देवता के रूप में दर्शाया गया है। भारत में उनके जन्मदिन को 'राष्ट्रीय खेल दिवस' घोषित किया गया है और इसी दिन विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

(लेखक 35 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा कई पुस्तकों के लेखक हैं)

20 कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी

जांच में फर्जी निकली खबर, ईमेल भेजने के लिए वीपीएन का इस्तेमाल किया

■ हाल ही में दिल्ली के कई स्कूलों को भी मिल चुकी हैं झूठी धमकियां

वेब वार्ता, नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक बार फिर बम की धमकी वाले ईमेल मिले हैं। इस बार चाणक्यपुरी स्थित जीसस एंड मैरी कॉलेज समेत लगभग 20 कॉलेजों को धमकी भरे ई-मेल भेजे गए हैं। दिल्ली फायर ब्रिगेड ने इसकी जानकारी दी।

इस संबंध में अधिकारियों ने बताया कि यह ईमेल बुधवार को मिला था। जांच के बाद पता चला कि यह धमकी फर्जी (झूठी) थी। शुरूआती जांच में ये भी सामने आया है कि ईमेल भेजने वाले ने अपनी पहचान छिपाने के लिए वीपीएन का इस्तेमाल किया होगा। यह घटना ऐसे समय पर सामने आई है जब हाल ही में दिल्ली के कई स्कूलों को भी इसी तरह की झूठी धमकियां मिल चुकी हैं।

पिछले हफ्ते, दिल्ली के 100 से ज्यादा स्कूलों को 5 दिनों में बम की धमकियां दी गई थीं, लेकिन सभी बाद में फर्जी निकलीं। 21 अगस्त को भी दिल्ली के कई स्कूलों को बम की धमकी मिली थी। इसके चलते द्वारका सेक्टर 5 और प्रसाद नगर सहित 6 स्कूलों को खाली कराना पड़ा और सुरक्षा जांच की गई।

दिल्ली पुलिस, फायर ब्रिगेड, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। हालांकि किसी भी जगह से कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली, फिर भी पूरे दिन तलाशी अभियान चलता रहा। अधिकारियों का कहना है कि ईमेल भेजने वाले के आईपी एड्रेस का पता लगाने के लिए जांच जारी है। 18 अगस्त को दिल्ली के द्वारका स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) को बम की धमकी मिली थी।

इस कारण आपातकालीन टीमें तुरंत सक्रिय हुईं, लेकिन बाद में यह धमकी भी झूठी निकली। पिछले महीने, दिल्ली के 50 से ज्यादा स्कूलों को धमकी भरे ईमेल मिले थे, जिसके कारण कई स्कूलों को ऑनलाइन क्लासेस में बदलना पड़ा। इन धमकियों के बाद पूरे शहर में बम निरोधक दस्ते, दमकल गाड़ियां, और पुलिस टीमें तैनात करनी पड़ीं। इससे पहले भी कई नामी स्कूल और कॉलेज निशाना बनाए जा चुके हैं, जैसे रोहिणी का अभिनव पब्लिक स्कूल, पश्चिम विहार का रिचमंड ग्लोबल स्कूल, और द्वारका का सेंट स्टीफंस कॉलेज और सेंट थॉमस स्कूल। 17 जुलाई को भी ऐसी धमकियों से करीब 7 स्कूलों को खाली कराना पड़ा था। इन बार-बार होने वाली घटनाओं ने छात्रों, अभिभावकों और शैक्षणिक संस्थानों में गंभीर चिंता बढ़ा दी है।

हालांकि अब तक सभी धमकियां फर्जी साबित हुई हैं, लेकिन इनकी बारंबारता (बार-बार होने की वजह से) लोगों की चिंता बढ़ गई है। मई में दिल्ली के 200 से ज्यादा स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, यहां तक कि इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी ऐसी ही धमकियां मिली थीं। कई मामलों की अब भी जांच जारी है, खासकर वे, जिनमें विदेशी वीपीएन का इस्तेमाल किया गया था।

न्यू अशोक नगर में एनकाउंटर, हैरी बॉक्सर गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार

■ हैरी बॉक्सर के खिलाफ हत्या, डकैती और फिरौती जैसे आधा दर्जन मामले दर्ज

वेब वार्ता, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने न्यू अशोक नगर में देर रात एक एनकाउंटर के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान कार्तिक जाखड़ और कविश के रूप में हुई है, जो अमेरिका में रहने वाले गैंगस्टर हैरी बॉक्सर के लिए काम करते हैं। हैरी बॉक्सर के खिलाफ हत्या, डकैती और फिरौती जैसे आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस को सूचना मिली थी कि कार्तिक और कविश न्यू अशोक नगर इलाके में मौजूद हैं। इस जानकारी के आधार पर स्पेशल सेल ने इलाके में जाल बिछाया। रात के समय जब पुलिस ने दोनों बदमाशों को रोकने की कोशिश की, तो उन्होंने पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आत्मरक्षा में फायरिंग की, जिसमें कार्तिक जाखड़ के पैर में गोली लगी। इसके बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया। घायल बदमाश को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, इस ऑपरेशन में कोई पुलिसकर्मी घायल नहीं हुआ। सूत्रों के मुताबिक, कार्तिक और कविश लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सक्रिय सदस्य हैं और कई आपराधिक वारदातों में शामिल रहे हैं। ये दोनों हैरी बॉक्सर के इशारे पर दिल्ली और आसपास के इलाकों में आपराधिक गतिविधियां चलाते थे। स्पेशल सेल अब इनसे पूछताछ कर रही है ताकि गैंग के अन्य सदस्यों और उनकी योजनाओं का पता लगाया जा सके। पुलिस ने मौके से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया है। यह एनकाउंटर दिल्ली पुलिस की अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का हिस्सा है। हाल के महीनों में स्पेशल सेल ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के कई सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जो दिल्ली और पड़ोसी राज्यों में आपराधिक गतिविधियों में लिप्त थे। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराध पर लगाम लगने की उम्मीद है।

स्पेशल स्टाफ टीम की अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

■ द्वारका में 2100 क्वार्टर शराब बरामद, एक धराया

वेब वार्ता, नई दिल्ली

दिल्ली के द्वारका जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने अंतरराज्यीय अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 42 कार्टन (2100 क्वार्टर) अवैध शराब जब्त की, जो हरियाणा में बिक्री के लिए लाई जा रही थी।

इसके अलावा, तस्करी में इस्तेमाल की जा रही कार भी जब्त की गई। जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान आशीष शर्मा उर्फ आशु (28) के रूप में हुई, जो हरियाणा के बहादुरगढ़ का रहने वाला है। वह फिलहाल बेरोजगार है और पैसे कमाने के लिए अवैध शराब की सप्लाई के धंधे में शामिल था। यह कार्रवाई द्वारका जिले के डीसीपी अंकित सिंह के निर्देशन में की गई। स्पेशल स्टाफ को लगातार ऐसे लोगों पर निगरानी रखने का काम सौंपा गया था जो हरियाणा से दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में अवैध शराब की आपूर्ति करते हैं।

टीम ने इंटरस्टेट बॉर्डर पर नजर रखने के साथ-साथ एएनपीआर कैमरों का विश्लेषण किया और स्थानीय सूत्रों से भी इनपुट जुटाए। इसी क्रम में 21 अगस्त को स्पेशल स्टाफ के एचसी विजेंद्र कुमार को सूचना मिली कि एक मारुति ऑल्टो कार अवैध शराब सप्लाई में शामिल है। इस सूचना पर इंस्पेक्टर विश्वेंद्र की अगुवाई में टीम गठित की गई। टीम ने डिचाओ गांव से डिचाओ एन्क्लेव रोड पर छापेमारी की और आरोपी आशीष शर्मा उर्फ आशु को मारुति ऑल्टो कार के साथ गिरफ्तार किया गया, जिसमें हरियाणा में बिक्री के लिए अवैध शराब के 42 कार्टन थे। आरोपी के खिलाफ धारा 33/38/58 दिल्ली आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पिछले कुछ समय से हरियाणा से दिल्ली में शराब सप्लाई कर रहा था। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और आरोपी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

रेखा गुप्ता ने छात्रों के लिए शुरू की यू-स्पेशल बसें

■ अब छात्रों को बसों में मिलेगी एसी, एफएम रेडियो और पैनिक बटन जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं

वेब वार्ता, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए लंबे समय से बंद पड़ी यू-स्पेशल बस सेवा गुरुवार को फिर से शुरू हो गई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने डीयू कैंपस से हरी झंडी दिखाकर इस सेवा की शुरूआत की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दिल्ली विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से यू-स्पेशल ईवी बस सेवा का लोकार्पण किया गया है। यह सेवा अब अत्याधुनिक सुविधाओं जैसे एसी, एफएम रेडियो और पैनिक बटन के साथ छात्रों के लिए उपलब्ध होगी। मात्र छह महीने में हमारी सरकार ने छात्रों के वोट की ताकत को सुविधा और बदलाव में बदल दिया है। रेखा गुप्ता ने अपने कॉलेज के दिनों को याद करते हुए कहा, जब मैंने विश्वविद्यालय छोड़ा था तब यह यू-स्पेशल मेरी सबसे मीठी यादों में शामिल थी। यह केवल एक बस नहीं, बल्कि दोस्ती, गपशप और हंसी-ठिठोली का चलता-फिरता संसार है। पहले हम बस की सीढ़ियों पर बैठकर अंताक्षरी खेलते थे, आज आप एफएम सुनेंगे लेकिन भावनाएँ वही रहेंगी।

उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छात्रों के साथ यू-स्पेशल बस में सफर किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने गिटार बजाकर देशभक्ति गीत गाए और मुख्यमंत्री भी उनके साथ गुनगुनाती रहीं। इस सफर में परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह और सांसद मनोज तिवारी भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो साझा करते हुए लिखा– कॉलेज, दोस्ती और गिटार लौट आई है यू-स्पेशल।

67 डीयू कालेजों तक सेवाएं देंगी बसें

नई दिल्ली। राजधानी में छात्र-अनुकूल यात्रा का विकल्प मुहैया कराने के प्रयासों के तहत मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए यू-स्पेशल बस सुविधा फिर से शुरू कर दी। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार छात्रों को मेट्रो ट्रेनों में यात्रा के लिए रियायती पास उपलब्ध कराने के लिए गंभीरता से काम कर रही है। यू-स्पेशल बस सेवा 25 बसों के साथ शुरू की गई है, जो दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के 67 कालेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों तक जाएंगी। ये इलेक्ट्रिक बसें 25 से अधिक मार्गों पर परिचालित होंगी और मेट्रो स्टेशनों जैसे महत्वपूर्ण स्थलों पर रुकेंगी। गुप्ता ने कहा, जहां पिछली सरकार यू-टर्न लेती थी, वहीं हमारी सरकार हमेशा आगे की ओर अग्रसर रहती है और दिल्ली को आगे ले जाती है।

उपेक्षित सेवा की वापसी

पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि यू-स्पेशल बस सेवा छात्रों की लंबे समय से चली आ रही मांग थी, लेकिन पिछली सरकारों ने इसे उपेक्षित रखा। उन्होंने कहा, मुझे गर्व है कि भाजपा सरकार ने अपने छोटे से कार्यकाल में इस महत्वपूर्ण सुविधा को बहाल किया और दिल्ली विश्वविद्यालय की रौनक लौटा दी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह सेवा न केवल छात्रों को घर से विश्वविद्यालय और वापस सुरक्षित व किफायती ढंग से यात्रा करने का विकल्प देगी, बल्कि राष्ट्रीय राजधानी में स्वच्छ हवा के लिए भी अहम योगदान करेगी।

वकीलों ने जिला अदालतों में हड़ताल निलंबित की

नई दिल्ली। नई दिल्ली बार एसोसिएशन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रतिनिधि से मुलाकात के बाद बृहस्पतिवार को जिला अदालतों में वकीलों की हड़ताल निलंबित करने की घोषणा की। पुलिस को अदालतों में डिजिटल तरीके से साक्ष्य पेश करने करने की अनुमति देने वाली उपराज्यपाल द्वारा जारी की गई अधिसूचना के विरोध में वकील हड़ताल पर थे। नई दिल्ली बार एसोसिएशन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, यह सूचित किया जाता है कि उपराज्यपाल द्वारा जारी 13 अगस्त की अधिसूचना के विरोध में निरंतर, अथक और मजबूत आंदोलन के दौरान आज केंद्रीय गृह मंत्री के प्रतिनिधि के साथ बैठक हुई। यह अवगत कराया गया है कि गृह मंत्री अमित शाह खुले मन से चिंताओं पर चर्चा करने, उनका समाधान करने के लिए बार के प्रतिनिधियो से मिलेंगे।

प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी के बाद बोले सौरभ भारद्वाज

फोन ईडी ले गई, एक्स पर किया धन्यवाद

वेब वार्ता, नई दिल्ली

दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) नेता सौरभ भारद्वाज के आवास पर मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की। यह कार्रवाई सौरभ भारद्वाज के दिल्ली में स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए अस्पतालों के निर्माण से जुड़े कथित घोटाले के सिलसिले में की गई। आप नेता ने ईडी की इस कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने लिखा, धन्यवाद। मेरा वॉट्सऐप नहीं चल रहा है और मेरा फोन ईडी वाले ले गए हैं, इसलिए ट्विटर के माध्यम से उन सभी को धन्यवाद कर रहा हूं जो मेरे घर के बाहर रात 2:30 बजे तक डटे रहे। एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स फॉर अल्टरनेटिव पॉलिटिक्स (एएसएपी), महिला विंग, मेन विंग, यूथ विंग, विधायक, पूर्व विधायक और प्रत्याशी, पार्षद, हमारे नेता और सभी नौजवान से लेकर बुजुर्ग कार्यकर्ता सबका दिल से धन्यवाद। उन्होंने आगे लिखा, मेरी पार्टी की बहनें रात तक रुकी रहीं, पूरे दिन बारिश में भीगती रहीं, आपका बहुत आभार। रात 2 बजे तक पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल, संजय सिंह आदि सभी जागे रहे, सभी बार-बार फोन पर पता करते रहे, इससे ज्यादा हमारे परिवार को कुछ नहीं चाहिए। सोशल मीडिया पर हमारे दोस्त केंद्र से लोहा लेते रहे, मन खुश हो गया। आपके आने से मुझे और मेरे परिवार को बहुत ताकत मिली है। गौरतलब है कि ईडी की इस कार्रवाई के बाद से आम आदमी पार्टी (आप) के तमाम नेता केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। पार्टी के नेताओं का कहना है कि विपक्ष के नेताओं को परेशान करने और उन्हें डराने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। दूसरी तरफ, सरकार का कहना है कि ईडी पूरी स्वतंत्रता के साथ काम कर रही है।

मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कार में 16.24 किलोग्राम अफीम ले जा रहे चार लोगों की गिरफ्तारी के साथ ही मादक पदार्थ तस्करी के एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह उत्तर प्रदेश के बरेली से संचालित किया जा रहा था और ये आरोपी उच्च गुणवत्ता की अफीम तस्करी कर दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) लाते थे।

पुलिस को 25 जुलाई को दो ज्ञात तस्कर, हरि शंकर और विकास के बारे में यह सूचना मिली कि ये दोनों बरेली से अफीम की एक बड़ी खेप लेकर आ रहे थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर छापेमारी टीम ने रात 10 बजकर 20 मिनट पर रिंग रोड पर भैरव रोड अंडरपास के निकट एक कार को रोका, जिसकी तलाशी लेने पर उसमें से 16.24 किलोग्राम अफीम से भरे प्लास्टिक के तीन थैले बरामद हुए। पुलिस ने मौके पर से हरि शंकर (22), विपिन शर्मा (35) और विकास (20) को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने बताया कि जांच के बाद मामले में चौथे आरोपी अजय वर्मा (22) को 23 अगस्त को उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले से गिरफ्तार किया गया।

यमुना का जलस्तर खतरे के निशान के पार, चेतावनी जारी

■ जलस्तर में वृद्धि से दिल्ली सरकार और आपदा प्रबंधन हाई अलर्ट पर

एनसीआर में एक हफ्ते तक रहेगा बारिश का असर, पश्चिमी विक्षोभ बना कारण

वेब वार्ता, नई दिल्ली

दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है और गुरुवार को यह खतरे के निशान को पार कर गया। पुराने रेलवे पुल पर यमुना का जलस्तर 205.46 मीटर दर्ज किया गया, जबकि बीते बुधवार को जलस्तर 204.58 मीटर था। दो दिनों में जलस्तर में हुई तेजी से वृद्धि ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है।

पुराना रेलवे पुल पर जलस्तर 205.46 मीटर तक पहुंच गया, जबकि बुधवार को यह 204.58 मीटर था। जलस्तर में हुई इस वृद्धि ने दिल्ली सरकार और आपदा प्रबंधन अधिकारियों को हाई अलर्ट पर ला दिया है। भारी बारिश और हिमाचल प्रदेश व हरियाणा जैसे पड़ोसी राज्यों से पानी छोड़े जाने के कारण यमुना का जलस्तर बढ़ रहा है, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने नदी किनारे बसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने और राहत कार्यों की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने बाढ़ की चेतावनी जारी कर दी है। केंद्रीय जल आयोग ने स्थिति की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने खासतौर पर संवेदनशील इलाकों में चौकसी बढ़ाने और आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने को कहा है। यमुना किनारे बसे निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन अलर्ट पर है। नदी किनारे बसे इलाकों में रहने वाले लोगों को सावधानी बरतने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी जा रही है। यमुना के जलस्तर पर प्रशासन लगातार नजर बनाए हुए है। सरकार और अधिकारियों का कहना है कि जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिए जाएंगे। आपको बताते चलें, राजधानी दिल्ली में यमुना नदी में चेतावनी का स्तर 204.5 मीटर है, खतरे का स्तर 205.3 मीटर है और 206 मीटर पर निकासी शुरू होती है। ऐसी स्थिति में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की कवायद शुरू हो जाती है। यमुना के प्रवाह और बाढ़ के जोखिम को मापने का ओल्ड रेलवे ब्रिज एक महत्वपूर्ण केंद्र है।

नई दिल्ली। एनसीआर में पिछले कुछ दिनों से लगातार मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। आने वाले एक हफ्ते तक यहां बारिश और गरज-चमक का दौर जारी रहने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इस समय पश्चिमी विक्षोभ का असर एनसीआर और आसपास के इलाकों पर पड़ रहा है। इसके साथ ही दक्षिण-पश्चिम दिशा से आ रही नम हवाओं ने मानसूनी गतिविधियों को और सक्रिय कर दिया है। 28 अगस्त से 2 सितंबर तक लगातार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान 31 से 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। वहीं, मिडिटी 95 से 99 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जिसके चलते उमस भी महसूस होगी। दिल्ली-एनसीआर में इस समय थंडरस्टॉर्म विद रेन (गरज के साथ छींटे) की स्थिति बनी हुई है। हालांकि मौसम विभाग ने कोई औपचारिक चेतावनी जारी नहीं की है। बिना किसी चेतावनी के भी कई इलाकों में अचानक तेज बारिश, गरज और बिजली गिरने की आशंका बनी रहती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस समय हो रही बारिश सामान्य मानसून की गतिविधि से थोड़ी अलग है, क्योंकि इसमें पश्चिमी विक्षोभ की भी अहम भूमिका है। सामान्य तौर पर मानसून की हवाएं अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी लेकर आती हैं, जिससे भारत में बारिश होती है। लेकिन जब इसमें पश्चिमी विक्षोभ का मेल हो जाता है तो बारिश का स्वरूप और तीव्र हो जाता है। यही कारण है कि दिल्ली-एनसीआर और आसपास के राज्यों में लगातार बारिश देखी जा रही है। बारिश के कारण जहां तापमान में गिरावट से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिल रही है, वहीं जलभराव और ट्रैफिक जाम जैसी समस्याएं कई तरह की दिक्कतें पैदा कर रही हैं। ऐसे में मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें और बारिश के दौरान सावधानी बरतें।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर विशेष कार्यक्रमों का होगा आयोजन

नई दिल्ली। हॉकी के महानायक मेजर ध्यानचंद जी की जयंती (राष्ट्रीय खेल दिवस) पर श्याम लाल कॉलेज में 29 एवं 30 अगस्त को विविधतापूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. रबी नारायण कर ने कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य का साधन नहीं हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व कौशल विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि एक घंटा खेल के मैदान में का संदेश छात्रों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने और खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की दिशा में प्रेरित करता है।

उन्होंने बताया कि 29 अगस्त को कार्यक्रमों की शुरूआत स्पोर्ट्स असेंबली से होगी। इसके बाद वॉलीबॉल और कबड्डी प्रतियोगिता होगी। इसी दिन वरिष्ठ पत्रकार राकेश थपलियाल ओलंपिक्स एवं पैरालंपिक्स : भारतीय दृष्टिकोण विषय पर विशेष व्याख्यान देंगे। 30 अगस्त को भारतीय खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए पारंपरिक खेलों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें पिट्ठू, रस्सी-कूद और रस्साकशी प्रमुख आकर्षण रहेंगे। प्राचार्य प्रो. कर ने विश्वास व्यक्त किया कि इन दो दिवसीय आयोजनों से छात्रों में खेल भावना, स्वास्थ्य-जागरूकता और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, यह पहल हमारी सांस्कृतिक विरासत से जुड़े पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

महेंद्र पार्क से बांग्लादेशी ट्रांसजेंडर गिरफ्तार, निर्वासन की तैयारी शुरू

■ दो स्मार्टफोन और दो बांग्लादेशी पहचान पत्र किए बरामद

वेब वार्ता, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस के उत्तर-पश्चिम जिला विदेशी प्रकोष्ठ ने थाना महेंद्र पार्क क्षेत्र से दो बांग्लादेशी ट्रांसजेंडर को गिरफ्तार किया है। इनके निर्वासन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस कार्रवाई में पुलिस ने दो स्मार्टफोन और दो बांग्लादेशी राष्ट्रीय पहचान पत्र बरामद किए, जिनमें प्रतिबंधित आईएमओ ऐप इंस्टॉल था। यह ऑपरेशन अवैध आव्रजन पर लगाम कसने की दिशा में एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। हाल ही में जहांगीर पुरी मेट्रो स्टेशन और नई सब्जी मंडी, महेंद्र पार्क के पास संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों की गतिविधियों की सूचना मिली थी।

इसके बाद पुलिस ने इन इलाकों में निगरानी बढ़ाई और एक विशेष टीम गठित की। इस टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर विपिन कुमार और एसीपी राजीव कुमार कर रहे थे। टीम में एसआई सपन, एसआई श्यामबीर, एएसआई राजेंद्र, एचसी विक्रम, एचसी कपिल कुमार, एचसी विकास यादव, एचसी परवीन, एचसी टीका राम, डब्ल्यू/एचसी पूनम, डब्ल्यू/एचसी दीपक, कांस्टेबल निशांत मट्ठ, कांस्टेबल हवा सिंह और कांस्टेबल दीपक बांगर शामिल थे। इन लोगों ने मुखबिर की मदद से छापेमारी की और जहांगीर पुरी मेट्रो स्टेशन व नई सब्जी मंडी के पास दो संदिग्धों को पकड़ा।

शुरूआती पूछताछ में दोनों ने भारतीय होने का दावा किया। लेकिन, उनके मोबाइल फोन में बरामद तस्वीरों और इंस्टाग्राम अकाउंट से बांग्लादेश के स्थानों के सबूत मिले। कड़ी पूछताछ के बाद उन्होंने अपनी बांग्लादेशी पहचान स्वीकार की और बांग्लादेशी राष्ट्रीय पहचान पत्र पेश किए। जांच में पता चला कि दोनों ने जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी कराई थी, जिसके जरिए उन्होंने अपनी शारीरिक बनावट को महिलाओं जैसा बनाया। अपनी पहचान छिपाने के लिए वे भारी मेकअप, साड़ी, सलवार सूट, विग और अन्य सामान का इस्तेमाल करते थे। साथ ही, उन्होंने अपनी आवाज और हाव-भाव भी महिलाओं की तरह बदल लिए थे। दिन में वे भीख मांगते और रात में आपत्तिजनक गतिविधियों में लिप्त रहते थे। गिरफ्तार व्यक्तियों के नाम खाजा मन्नुद्दीन उर्फ खतीजा (27 साल) और राजेब चंद्र सरकार (39 साल) हैं। खाजा ढाका साउथ सिटी का रहने वाला है, जबकि राजेब केरानीगंज, ढाका का निवासी है। दोनों के पास वैध वीजा या परमिट नहीं था, जो विदेशी अधिनियम, 1946 का उल्लंघन है।

पुलिस ने उनके पास से दो स्मार्टफोन और बांग्लादेशी पहचान पत्र बरामद किए। विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के सहयोग से इनका निर्वासन शुरू कर दिया गया है। पुलिस उपायुक्त (उत्तर-पश्चिम) भीष्म सिंह ने कहा कि यह कार्रवाई राष्ट्रीय राजधानी में अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त रवैये को दिखाती है। पुलिस लगातार ऐसे मामलों पर नजर रखे हुए है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी कार्रवाई जारी रखेगी।

विभाग ने सौ साल पुरानी कॉलेज बिल्डिंग के लिए गठित की जांच टीम

- छत और दीवारों से गिर रहा सीमेंट, हिंदू इंटर कॉलेज की हालत का विभाग ने लिया संज्ञान

वेब वार्ता, शामली

कांधला स्थित हिंदू इंटर कॉलेज की जर्जर बिल्डिंग की समस्या पर शिक्षा विभाग ने संज्ञान लिया है। विभाग ने तीन सदस्यीय टीम का गठन किया है। कॉलेज की इमारत करीब 100 वर्ष पुरानी है। यह अंग्रेजों के शासनकाल में बनी थी।

वर्तमान में इमारत की स्थिति अत्यंत खराब है। छत और दीवारों से सीमेंट गिर रहा है। इससे सैकड़ों विद्यार्थियों की सुरक्षा खतरे में है।कॉलेज के प्रधानाचार्य ने पिछले कई वर्षों से इस समस्या के बारे में विभागीय अधिकारियों को सूचित किया था। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। कॉलेज में पहुंची टीम जांच में जुट गई है,जांच के बाद टीम बेसिक शिक्षा अधिकारी को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कॉलेज में गूंजे नशा मुक्ति और आपदा प्रबंधन के स्वर

खतौली। गंगधाड़ी स्थित विद्योतमा कन्या पीजी कॉलेज में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं ने नशा मुक्ति भारत और प्राकृतिक आपदा जैसे गम्भीर विषयों पर अपने विचार रखे। महाविद्यालय परिसर छात्राओं की सहभागिता और ऊर्जा से सराबोर रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रबंधक संजीव कुमार शर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी ही समाज की नींव है और उन्हें नशे की लत से दूर रखने के लिए परिवार और समाज दोनों को आगे आना होगा।

नगर निगम की ब्लैक जोन सड़कों पर बनेंगे तीन स्पीड ब्रेकर

सहारनपुर। नगर निगम क्षेत्र के आबादी वाले इलाको में तेज गति के वाहनों से दिन प्रति दिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं की गूंज नगर निगम की बोर्ड बैठक में देखने को मिली। इसका तुरंत संज्ञान लेते हुए नगर आयुक्त ने वार्ड 41 के पार्षद और नगर निगम की कार्यकारिणी सदस्य संजय सैनी के प्रस्ताव पर ब्लैक जोन वाले रिहायसी क्षेत्र में तीन स्पीड ब्रेकर बनाये जाने के निर्देश जारी किये। मेयर डॉ अजय सिंह की अध्यक्षता में आयोजित सदन की बैठक में वार्ड 41 के पार्षद संजय सैनी की हसनपुर चुंगी से लेकर सर्किट हाउस तक तीन स्थानों पर स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग यह कहते हुए की कि तेज गति के वाहन बच्चे और बुजर्गों को अपनी चपेट में ले रहे है जो कि अत्यंत चिंता जनक है। ऐसे में जनहित में जरूरी है इन सड़कों को ब्लैक जॉन घोषित करते हुए स्पीड ब्रेकर बनवाये जाये। जिसको नगर आयुक्त आईएएस शिपू गिरी को तत्काल मानते हुए नगर पी.डब्लू.डी के अधिशासी अभियंता को पत्र लिखकर तीनों स्थानों पर स्पीड ब्रेकर निर्माण करने की बात कही है।

जिम्मेदारी मिलते ही जमीनी सच जानने में जुटीं असिस्टेंट मजिस्ट्रेट अपराजिता

- शेरपुर गांव में विकास कार्यों का निरीक्षण कर ग्रामीणों से किया संवाद
- आंगनबाड़ी, एएनएम सेंटर और विद्यालय का दौरा, ग्रामीणों से लिया फीडबैक

वेब वार्ता, मुज्जफरनगर

सदर ब्लॉक के गांव शेरपुर में असिस्टेंट मजिस्ट्रेट (आईएएस) अपराजिता आर्यन ने विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर सरकारी योजनाओं की स्थिति जानी और उन्हें योजनाओं का लाभ उठाने के लिए जागरूक किया। निरीक्षण की शुरूआत आंगनबाड़ी केंद्र से हुई। यहां उन्होंने बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य की स्थिति देखी तथा पोषण संबंधी दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद असिस्टेंट मजिस्ट्रेट ने एएनएम सेंटर का दौरा किया। गर्भवती महिलाओं और बच्चों के टीकाकरण रिकार्ड की जांच की। महिलाओं से बातचीत कर उन्हें पोषण पोटली और अन्य स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। प्राथमिक विद्यालय में पहुंचकर उन्होंने बच्चों से सवाल-जवाब किए और पढ़ाई की जानकारी ली। शिक्षकों को शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए और अभिभावकों से बच्चों की पढ़ाई को प्राथमिकता देने की अपील की। पंचायत घर का निरीक्षण कर विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शिक्षा और जागरूकता ही गांव और समाज के समग्र विकास की नींव है। इस अवसर पर सीडीपीओ संतोष कुमार शर्मा, एडीओ पंचायत सत्येंद्र कुमार, ग्राम प्रधान शोएब, ग्राम सचिव उमेश कुमार सहित कई अधिकारी और ग्रामीण मौजूद रहे।

एक नजर

युवक का अवैध हथियार दिखाते वीडियो वायरल

शामली। आदर्श मंडी थाना क्षेत्र में एक चिंताजनक घटना सामने आई है। गांव शेखूपुर के एक युवक का अवैध तमंचा दिखाता हुआ वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में युवक कार में बैठा हुआ है।वह देसी तमंचा लेकर अपना रौब दिखाता नजर आ रहा है। यह वीडियो उसके दोस्त ने बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया है।जनपद में यह पहला मामला नहीं है। पिछले कुछ समय से युवाओं में अवैध हथियारों का प्रदर्शन करने का चलन बढ़ा है। इससे पहले भी कई युवाओं के अवैध हथियारों के साथ फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। इस मामले में पुलिस अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दे रही है।साथ ही यह भी स्पष्ट नहीं है कि युवाओं तक अवैध हथियार पहुंच कैसे रहे हैं। पुलिस अवैध हथियारों के सप्लायर्स का पता लगाने में अब तक असफल रही है। स्थानीय लोगों में इस तरह की घटनाओं को लेकर चिंता बढ़ रही है।

रिटायर्ड फौजी के मकान पर ताबड़तोड़ फायरिंग

खतौली। कस्बे के आर्यपुरी भूड़ इलाके में बीती आधी रात गोलियों की तड़तड़ाहट ने सन्नाटा तोड़ दिया। तीन बाइकों पर सवार छह बदमाशों ने एक रिटायर्ड फौजी के मकान को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध फायरिंग कर दी। गोलियां चलने की आवाज सुनते ही पूरा मोहल्ला दहशत में घरों से बाहर निकल आया। पीड़ित अशोक कुमार पुत्र ओमप्रकाश ने बताया कि रात करीब साढ़े बारह बजे अचानक तेज धमाकों जैसी आवाज सुनाई दी। बाहर आने पर देखा तो मकान की दीवार पर गोलियों के निशान थे। मौके से 315 बोर और 312 बोर के कई खोखे भी बरामद हुए। 70 वर्षीय ओमप्रकाश, जो आर्मी से रिटायर्ड एक्स-सर्विसमैन हैं, ने बताया कि उनकी किसी से कोई रंजिश नहीं है। वह पत्नी संग घर पर रहते हैं, जबकि दोनों बेटे सेना में तैनात हैं। घटना से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और लोग सहमे हुए हैं। सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और खोखे कब्जे में लेकर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी। समाचार लिखे जाने तक पीड़ित परिवार की ओर से पुलिस को तहरीर नहीं दी गई थी।

वांछित हिस्ट्रीशीटर मुठभेड़ में घायल

शामली। एसओजी टीम शामली व झिंझाना पुलिस ने उधार के रुपये मांगने पर युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में वांछित एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश को मुठभेड में धर दबोचा। पुलिस की गोली लगने से हिस्ट्रीशीटर घायल हो गया, जबकि उसके एक साथी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घायल आरोपित को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। जानकारी के अनुसार झिंझाना के मौहल्ला शाहमुबारिक निवासी दानिश उर्फ काला पुत्र शहीद द्वारा मौहल्ले के ही जरीफ पुत्र बजीर से व्यापार के उधार के पैसों की मांग की, इससे क्षुब्ध होकर आरोपितों ने घर में घुसकर दानिश से गाली गलौच व जानलेवा हमला कर दिया था जिसमें दानिश गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना के संबंध में झिंझाना थाने पर मुकदमा दर्ज कराया था। एसपी ने आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बुधवार की रात एसओजी शामली व झिंझाना पुलिस ने एक सूचना के बाद जानलेवा हमले के मामले में वांछित ताबू पुत्र जरीफ निवासी मौहल्ला छडियान थाना कैराना को कैराना-झिंझाना मार्ग पर गांव जमालपुर के जंगल में मुठभेड के बाद गिरफ्तार कर लिया।

धरना-प्रदर्शन से नगरवासी परेशान

खतौली। नगर में आए दिन धरना-प्रदर्शन और जाम की समस्या को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। इस मुद्दे पर नगरवासियों के बीच हुई परिचर्चा में सभी ने एक सुर में कहा कि खतौली में भी लखनऊ, दिल्ली और मुजफ्फरनगर की तरह एक स्थायी धरना स्थल बनाया जाना चाहिए। परिचर्चा के दौरान लोगों ने कहा कि तहसील परिसर या हाईवे पर धरना देने से आमजन को घंटों परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार तो एंबुलेंस तक जाम में फंस जाती है, जिससे गंभीर हालात पैदा हो जाते हैं। व्यापारी प्रदीप गुप्ता ने कहा कि राजनीतिक दल और किसान नेता अपनी मांगें मनवाने के लिए आए दिन सड़क जाम कर देते हैं। इससे व्यापार चौपट हो जाता है। प्रशासन को तत्काल धरना स्थल तय करना चाहिए। समाजसेवी जतिन अहलावत का कहना था कि धरना देना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन इसे इस तरह नहीं होना चाहिए कि आम आदमी को ही सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़े। रवि ग्रोवर ने कहा कि कई बार धरना और जाम के चलते कॉलेज तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है।

महापौर ने दो सड़कों का किया शुभारंभ

- दोनों सड़कों के निर्माण पर करीब 70 लाख रुपये की आयेगी लागत

वेब वार्ता, सहारनपुर

महापौर डॉ. अजय कुमार ने आज शहर के दो वार्डों में दो सड़कों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। दोनों सड़कों के निर्माण पर करीब 70 लाख रुपये की लागत आयेगी। नगर विधायक राजीव गुंबर भी इस दौरान मौजूद रहे। महापौर डॉ. अजय कुमार व नगर विधायक राजीव गुंबर, महानगर अध्यक्ष शीतल विश्नोई के साथ आज वार्ड नंबर 16 के नवीन नगर पहुंचे और नारियल फोड़कर व फीता काटकर सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस सड़क पर करीब 23 लाख रुपये का व्यय आयेगा। इसके अतिरिक्त महापौर व नगर विधायक ने वार्ड 54 नूर बस्ती में भी फीता काटकर सड़क का शुभारंभ किया। इस सड़क पर करीब 46 लाख रुपये की लागत आयेगी। इस अवसर पर महापौर डॉ. अजय कुमार ने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन सुविधा एवं स्वच्छ वातावरण उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि शहर के विकास के लिए नगर निगम लगातार सड़कों व नालों आदि का निर्माण करा रहा है ताकि शहर के लोगों की समस्याओं को समाप्त कर महानगर के विकास के नये पायदान पर खड़ा किया जा सके। नगर विधायक राजीव गुंबर ने कहा कि शहर में होने वाले निर्माण कार्यों से सहारनपुर समग्र विकास नई दिशा प्राप्त कर रहा है। इस दौरान भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष हेमंत अरोड़ा, अमित गगनेजा व क्षेत्रीय पार्षद सुलेख चंद व पार्षद कलीम अहमद के अलावा भाजपा मंडल अध्यक्ष गोपाल मेहंदीरत्ता सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

स्ट्रीट लाइट का कार्य देखने वाली कंपनी को भेजा नोटिस

सहारनपुर। महानगर में स्ट्रीट लाइट का कार्य देख रही ई.ई.एस.एल कंपनी को अनुबंध के अनुसार कार्य न कर नगर निगम की छवि धूमिल करने तथा शासकीय धनराशि के गबन के प्रयास का आरोप लगाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि क्यों न अनुबंध निरस्त कर कंपनी को ब्लैक लिस्ट करते हुए गलत बिल प्रस्तुत करने के लिए विधिक कार्यवाही की जाये। इसके साथ ही कंपनी से उक्त के सम्बंध में 4 सितंबर तक जवाब देने को कहा गया है। नगर निगम का नोएडा की ई.ई.एस.एल कंपनी के साथ गत 27 सितंबर 2019 को लाइटों के सम्बंध में एक अनुबंध हुआ था। अनुबंध के तहत नगर सीमा क्षेत्र में कंपनी द्वारा कुल 54165 प्रकाश बिंदु स्थापित किये गए थे। इन लाइटों के अनुरक्षण का कार्य ई.ई.एस.एल द्वारा ही किया जाना था।

मुठभेड़ में लुटेरा और गौकश घायल, दबोचा

वेब वार्ता, मुज्जफरनगर

एसएसपी संजय वर्मा ने एसपी देहात आदित्य बंसल के साथ प्रेस वार्ता कर जानकारी दी कि भौराकलां पुलिस ने कुरावा जैतपुर तिराहे पर मुठभेड़ के दौरान शातिर लुटेरे बृजनंदन उर्फ मंगल निवासी अहमदगढ़, झिंझाना को दबोच लिया। पुलिस ने उसके पास से लूटी गई नकदी 1200 रुपये और एक मोटरसाइकिल बरामद की। बृजनंदन पर 15 हजार रुपये का इनाम घोषित था और अप्रैल माह में उसने अपने साथियों संग मां-बेटी को आतंकित कर सोने के कुंडल लूटे थे। उधर, बुढ़ाना पुलिस की बुढ़ाना-खतौली मार्ग पर गौकशों से मुठभेड़ हो गई। फायरिंग में आरोपी दीन मोहम्मद निवासी सफीपुर पट्टी गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसका साथी भाग निकला।

डीएम ने महाविद्यालय के निर्मित भवन का किया भौतिक सत्यापन

- फिनशिंग के कार्य में गुणवत्ता न होने पर जताई नाराजगी

वेब वार्ता, सहारनपुर

जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा राजकीय महाविद्यालय सढौली हरिया के निर्मित भवन का हैण्ड ओवर से पूर्व भौतिक सत्यापन किया गया। मनीष बंसल ने निर्मित भवन की गुणवत्ता को जांचा। उन्होने गहन निरीक्षण करते हुए स्वयं लैब में प्रयोग किए जो वाले जल नलों को चलाकर भी देखा।

इसके साथ ही भवन में किए गये फर्नीचर, लैब, खिडकी दरवाजे, शौचालय, सैनेटरी कार्य, विद्युत संबंधी कार्य, फिनशिंग कार्य की गुणवत्ता को देखा। कार्य की गुणवत्ता पर सख्त नाराजगी व्यक्त की। पानी की निकासी न होने पर भवनों पर सीलन की समस्या आ रही है जिसके लिए उन्होने कार्यदायी संस्था को यथाशीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। विद्युत संयोजन न होने तथा फिनशिंग के कार्य में गुणवत्ता न होने पर भी गहरी नाराजगी व्यक्त की। इससे पूर्व मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निरीक्षण किया गया था जिसमें कमियों को दूर करने के निर्देश दिए गये थे जिनका अनुपालन संबंधित अधिकारी द्वारा नहीं किया गया। इस संबंध में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई करने को कहा। उन्होने सभी कमियों को यथाशीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, उपजिलाधिकारी रामपुर मनिहारान डॉ. पूर्वा, लोनिवि धर्मेन्द्र सिंह, बीएसए कोमल सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

यातायात प्रबंधन को लेकर एसडीएम ने की प्रधानाचार्यों के साथ बैठक

- नाबालिग बच्चों को स्कूलों में स्कूटर, मोटर साईकिल आदि से न दें प्रवेश

वेब वार्ता, सहारनपुर

यातायात व्यवस्था के सुलभ संचालन के तहत उपजिलाधिकारी सदर सुबोध कुमार की अध्यक्षता में लार्ड कृष्णा इन्टरनेशनल एकेडमी गागलहेडी में प्रधानाचार्यों के संवेदीकरण के दृष्टिगत बैठक आहूत की गयी। उपजिलाधिकारी सदर सुबोध कुमार ने निर्देश दिए कि सभी प्रधानाचार्य नाबालिग बच्चों को यातायात संबंधी नियमों से अवगत कराते हुए स्कूलों में स्कूटर, मोटर साईकिल आदि से प्रवेश न दें। उन्होने अभिभावकों के साथ एक बैठक आयोजित कर बच्चों को समझाने के लिए कहा। उन्होने प्रधानाचार्यों को यह भी निर्देश दिया कि वाहन संबंधी सभी नियमों एवं मानकों की जांच संबंधित अधिकारी द्वारा समय-समय पर की जाए। उन्होने बसों के संचालन के संबंध में निर्देश दिए कि सभी मानकों को स्कूल प्रबंधक पूर्ण करें अन्यथा की स्थिति में उन बसों का परमिट निरस्त कर दिया जाएगा।एस.डी.एम ने पुलिस को निर्देश देते हुए कहा कि स्कूल बसों को चलाने वाले चालकों संबंधी दस्तावेजों को भी जांचा जाए। बसों पर निर्धारित स्थान पर वाहन चालकों के नाम एवं उनके मोबाइल नम्बर भी अंकित किए जाएं। सभी प्रधानाचार्य अभिभावकों के साथ प्रतिमाह बैठक करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी द्वारा समय-समय पर बेहतर यातायात प्रबंधन एवं सडक सुरक्षा के तहत स्कूल प्रबन्धकों, प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए जाते है जिससे किसी भी दुर्घटना से बचा जा सके। इस अवसर पर लार्ड कृष्णा इन्टरनेशनल एकेडमी के संस्थापक श्री नरेन्द्र यादव, सत्यवती यादव, पंकज गर्ग, भूपेन्द्र, अमित खुराना, तंजीम अहमद, मोनित रिजवी, प्रो0 कामिल, अश्विनी कुमार, अनुपमा शर्मा, आदित्य सहित लगभग 30 विद्यालयों के प्रबन्धक एवं प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

मां वैष्णो देवी यात्रा भूस्खलन त्रासदी में मुजफ्फरनगर के तीन परिवारों के पांच लोगों की मौत

हादसे ने उजाड़े तीन परिवार, परिजनों में कोहराम

वेब वार्ता, मुज्जफरनगर

- जान गंवाने वालों में तीन बच्चे और दो महिलाएं शामिल
- किसी का पैर टूट गया, किसी की पसली में चोट आई तो दो बच्चों की टांग भी टूटी

मां वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर हुए भीषण भूस्खलन हादसे ने मुजफ्फरनगर के तीन परिवारों को उजाड़ दिया। शहर के रामपुरी डबल टंकी गली से दर्शन को गए श्रद्धालुओं में से पांच लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन मासूम बच्चे और दो महिलाएं शामिल हैं।

इससे पहले रामलीला टिल्ला निवासी कार्तिक की मौत की पुष्टि हो चुकी थी। अब गुरुवार को जारी मृतकों की सूची में रामपुरी के इन पांच लोगों के नाम सामने आते ही पूरे मोहल्ले में मातम छा गया। मृतकों में रामबीरी पत्नी इंद्रपाल, अंजलि पुत्री इंद्रपाल, ममता उर्फ मनतेश पत्नी रविन्द्र, अनंत (9 वर्ष) पुत्र रविन्द्र, अजय (6 वर्ष) पुत्र रविन्द्र शामिल हैं। अनंत और अजय सगे भाई थे। बताया गया है कि प्रजापति समाज के कुल 23 लोग इस यात्रा पर गए थे। हादसे में कई श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हुए हैं। किसी का पैर टूट गया, किसी की पसली में चोट आई तो दो बच्चों की टांगों की हड्डी भी टूट गई है। मृतकों की खबर मिलते ही रामपुरी की गलियों में चीख-पुकार और कोहराम मच गया।

गौरतलब है कि रविवार रात जम्मू-कश्मीर में मां वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर हुए इस बड़े भूस्खलन में 36 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी, जबकि दर्जनों घायल हुए थे। मरने वालों में मुजफ्फरनगर के ये छह लोग (कार्तिक सहित) भी शामिल हो गए।

राजनीतिक हस्तियों ने जताया दुख

मुजफ्फरनगर। पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान ने भाजपा नेता सुनील दर्शन के साथ पीड़ित परिवार से मुलाकात की और ढांढस बंधाया। उन्होंने शोक व्यक्त करते हुए जम्मू-कश्मीर प्रशासन से मृतकों के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द मुजफ्फरनगर लाने की बात कही।

गायब श्रद्धालुओं की प्रशासन नहीं ले रहा सुध

नकुड़। चार रोज पूर्व कस्बा अंबेहटा के दो श्रद्धालु गंगोह ग्रुप के साथ मणिमहेश में दर्शन करने के लिए गए थे, मंगलवार को बादल फटने के बाद आई आपदा के बाद अंबेहटा के दो श्रद्धालुओं में से एक श्रद्धालु अमित भटनागर पुत्र रामेश्वर भटनागर लापता है, जिसके चलते परिजन चिंतित है ।तहसील या जिला प्रशासन द्वारा लापता श्रद्धालुओं की कोई सुध न लेने के चलते परिजनों में प्रशासन के प्रति रोष पनप रहा है ।परिजनों ने बताया कि प्रशासन द्वारा दिए गए किसी भी फोन पर संपर्क नहीं हो पा रहा है ,न हीं लापता श्रद्धालुओं का कुछ पता लग पाया है।

शमीम बनें भारतीय किसान यूनियन के नगर अध्यक्ष

वेब वार्ता, अम्बेहटापीर

भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने अंबेहटा पीर निवासी शमीम अहमद उर्फ पिंकू को किसान यूनियन का नगर अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनके अध्यक्ष बनने पर नगरवासियों ने किसान यूनियन का धन्यवाद किया है। गुरुवार को कस्बा अंबेहटा पीर में आयोजित पंचायत में शमीम अहमद उर्फ पिंकू को भारतीय किसान यूनियन का अंबेहटा नगर अध्यक्ष नियुक्त किया। उनके नगर अध्यक्ष बनने पर नगरवासियों ने किसान यूनियन का धन्यवाद किया। आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश सचिव मेवाराम गुर्जर जिला प्रवक्ता संजय चौधरी ने कहा कि वर्तमान समय में सरकार किसानों, नौजवानों व गरीबों का उत्पीड़न किया जा रहा है, यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा संगठन का उद्देश्य किसानों के हितों की रक्षा करना और उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना है। नगर अध्यक्ष बनने के बाद शमीम अहमद ने कहा की मैं संगठन की उम्मीदों पर खरा उतरने और किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा से काम करूंगा। इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष बालेंद्र चौधरी, चौधरी प्रदीप ठाकुर, युवा तहसील अध्यक्ष बबलू गुर्जर, चौधरी राजकुमार, चौधरी नेत्रपाल, चौधरी सोमपाल, योगेश कुमार, कपिल त्यागी, चौधरी प्रवीण, कुमार, अनिल त्यागी, चौधरी श्याम सिंह, चौधरी मदन, सरदार बलदेव सिंह, चौधरी मांगेराम, चौधरी सुमित, डॉक्टर रहीम, फरीद अन्सारी, इस्तखार कुरैशी , नदीम अहमद, हसीन मलिक,वासिक गाडा, जीशान कुरैशी,नाजर, आशु आदि मौजूद रहे।

सार संक्षेप

सुशांत के साथ 'निशानची' बनाना चाहते थे अनुराग कश्यप

मुंबईः डायरेक्टर अनुराग कश्यप की नई फिल्म 'निशानची' 19 सितंबर 2025 को थिएटर्स में रिलीज होने वाली है। फिल्म में एक्टर विनीत कुमार सिंह मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म रिलीज से पहले, अनुराग कश्यप ने बताया कि उन्होंने यह फिल्म पहले दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत को ऑफर की थी, लेकिन सुशांत ने उन्हें जवाब देना बंद कर दिया, जब उन्होंने दो बड़ी फिल्में 'दिल बेचारा' और 'ड्राइव' साइन कर ली थीं। गालट्टा प्लस से बातचीत में कश्यप ने कहा, एक्टर्स को फिल्म में रुचि थी, लेकिन बात किसी के साथ नहीं बनी। मैंने कहा मैं इसे सही तरीके से बनाऊंगा। यह वही फिल्म थी, जिसे मैं कभी सुशांत के साथ बनाना चाहता था, लेकिन फिर उन्हें दो बड़ी फिल्में 'दिल बेचारा' और 'ड्राइव' मिल गईं। फिर मेरी फिल्म पीछे चली गई। फिर उन्होंने जवाब देना बंद कर दिया, तो मैं आगे बढ़ गया। फिल्म उनके साथ 2016 में घोषित हुई थी।

कश्मीर घाटी में बाढ़ का खतरा फिलहाल टला, जलस्तर 10 साल में सबसे ज़्यादा

श्रीनगरः कश्मीर घाटी में बाढ़ का खतरा गुरुवार को फिलहाल टल गया है लेकिन लोगों को अगले 15-20 दिनों तक सतर्कता बरतने को कहा गया है। कश्मीर के संभागीय आयुक्त अंशुल गर्ग ने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, श्रीनगर में झेलम नदी का जलस्तर एक दशक में सबसे ज़्यादा दर्ज किया गया है। हालाँकि अब स्थिति स्थिर हो गई है। पिछले कुछ दिन बेहद चुनौतीपूर्ण रहे हैं क्योंकि दक्षिण कश्मीर के संगम और श्रीनगर के राम मुंशी बाग में जलस्तर खतरनाक स्तर तक पहुँच गया था। उन्होंने कहा, ₹झेलम नदी के ख़तरे के निशान को पार करने के बावजूद तटबंधों में कोई दरार या कटाव नहीं हुआ है। जिससे पता चलता है कि तटबंध बहाली और सुदृढ़ीकरण का काम अच्छी तरह से चल रहा है उन्होंने कहा कि अभी भी लगभग 150 संवेदनशील स्थान हैं। लेकिन पिछले 48-72 घंटों में झेलम के किसी भी तटबंध में कोई दरार नहीं आयी है। गौरतलब है कि वर्ष 2104 में लगातार एक हफ्ते तक हुयी जोरदार बारिश की वजह से झेलम नदी इस क्षेत्र में आयी विनाशकारी बाढ़ का कारण बनी थी।

जम्मू के अखनूर सेक्टर में ड्यूटी के दौरान बीएसएफ जवान की मौत

जम्मू : जम्मू के अखनूर सेक्टर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान की ड्यूटी के दौरान मौत हो गई। बीएसएफ जम्मू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ₹हम बीएसएफ के बहादुर कांस्टेबल (जीडी) राजीब नूनिया को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने 27 अगस्त को जम्मू जिले के अखनूर इलाके में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर ऑपरेशनल तैनाती के दौरान राष्ट्र की सेवा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने अटूट साहस, प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ शहादत प्राप्त की। उनके बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा और सम्मानित किया जाएगा।₹ बीएसएफ के अधिकारियों उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना भी व्यक्त की है। रिपोर्टों के अनुसार, माना जा रहा है कि जवान की अखनूर के परगवाल इलाके में चौकी पर तैनाती के दौरान अचानक आई बाढ़ में डूबने से मौत हो गयी।

मोदी-जिनपिंग 31 अगस्त को चीन में मिलेंगे

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 31 अगस्त को चीन के तियानजिन शहर में होने वाली रउड समिट के दौरान मुलाकात करेंगे। 2020 में हुई गलवान झड़प के बाद दोनों नेताओं की यह दूसरी औपचारिक मुलाकात होगी। मोदी और जिनपिंग आखिरी बार पिछले साल अक्टूबर में ब्रिक्स समिट के दौरान रूस के कजान में मिले थे। इसके बाद भारत और चीन में सीमा विवाद को बातचीत के जरिए सुलझाने पर सहमति बनी थी। पीएम मोदी इस दौरे में जिनपिंग के अलावा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और कई सेंट्रल एशियाई देशों के नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। मोदी-जिनपिंग की मुलाकात में एक बार फिर सीमा विवाद पर बातचीत हो सकती है। चीन में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक रउड समिट की बैठक होने वाली है। इसमें 20 से ज्यादा देशों के नेता शामिल होंगे। पिछले महीने विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन का दौरा किया था।

गौरव सेनानी झील का निर्माण करेगी सेना

लैंसडाउन : पर्यावरण को बचाने एवं संरक्षित रखने के साथ ही वाटर हार्वेस्टिंग, भूजल रिचार्ज आदि पर सेना के जवान जोर शोर से काम कर रहे हैं। लैंसडाउन में सोमवार को ब्रिगेडियर विनोद नेगी के नेतृत्व में सेना के जवानों ने बड़े स्तर पर पौधरोपण अभियान चलाया। इस दौरान ब्रिगेडियर विनोद नेगी ने कहा कि बहुत जल्द सैन्य क्षेत्र में गौरव सेनानी झील का निर्माण किया जाएगा। आयोजित कार्यक्रम के दौरान ब्रिगेडियर विनोद नेगी ने पर्यावरण की महत्ता को बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों के भविष्य के लिए पर्यावरण का संरक्षण बहुत जरूरी है। पर्यावरण संरक्षण का कर्तव्य सभी को निभाना होगा। एक पेड़ मां के नाम अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के अभियान की आने वाले समय में और जरुरत है। कहा कि हमारी सेना भूजल पर और वाटर हार्वेस्टिंग पर लंबे समय से कई सराहनीय कार्य कर रही है। कहा कि सेना द्वारा सैन्य क्षेत्र में कई झील बनाए गए हैं।

पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शुभंकर सरकार और भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी गुरुवार को कोलकाता के महाजाति सदन सभागार में छात्र परिषद (कांग्रेस का पश्चिम बंगाल छात्र संघ) के 72वें स्थापना दिवस के अवसर पर छात्रों के साथ शामिल हुए।

ट्रंप के सलाहकार ने यूक्रेन जंग को 'मोदी वॉर' बताया

वेब वार्ता, वाशिंगटन

ट्रम्प के ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो ने ब्लूमबर्ग टेलीविजन को दिए इंटरव्यू में ये बातें कही। ट्रम्प के ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो ने यूक्रेन जंग को मोदी वॉर बताया है। नवारो ने बुधवार को ब्लूमबर्ग टीवी के इंटरव्यू में भारत पर जंग को बढ़ावा देने और दोहरा खेल खेलने का आरोप लगाया। नवारो ने कहा कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे रिफाइन करता है और ऊंची कीमत पर बेचता है। इससे रूस को जंग के लिए पैसा मिलता है और वो यूक्रेन पर हमला करता है। नवारो ने चेतावनी देते हुए कहा कि रूस और चीन के साथ भारत के बढ़ते संबंध दुनिया के लिए खतरा बन सकते हैं। उन्होंने कहा- भारत तुम तानाशाहों के साथ मिल रहे हो। चीन ने अक्साई चिन और तुम्हारे कई इलाके पर कब्जा कर लिया। और रूस? जाने भी दो। ये आपके दोस्त नहीं हैं। नवारो ने कहा, 'भारतीय नेता हमारी आंखों में आंखें डालकर कहते हैं कि हम रूसी तेल खरीदना बंद नहीं करेंगे। अब इसका क्या मतलब है?' उन्होंने रूस पर भारत को बेचे गए तेल के बदले मिलने वाले पैसों से युद्ध मशीनरी को चलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा- रूस, यूक्रेन पर हमले कर वहां के लोगों को मारता है। फिर यूक्रेन हमारे और यूरोप के पास आकर कहता है कि हमें और पैसा दो। इस तरह अमेरिकी टैक्सपेयर्स को नुकसान होता है। नवारो ने अमेरिकी सामानों पर लगने वाले भारतीय टैरिफ की भी आलोचना की। उन्होंने कहा- भारत की नीतियों से अमेरिका में सभी को नुकसान हो रहा है। अमेरिकी जनता, कारोबार, कामगार सब हार रहे हैं, क्योंकि भारत ने बहुत ऊंचे टैरिफ लगा रखे हैं। इसकी वजह से अमेरिका में नौकरियां जा रही हैं, कारखाने बंद हो रहे हैं, लोगों की आमदनी और बढ़ी हुई मजदूरी भी खत्म हो रही है। अमेरिकी टैक्सपेयर्स को भी घाटा उठाना पड़ रहा है, क्योंकि उनका पैसा आखिरकार मोदी की जंग में इस्तेमाल हो रहा है। नवारो ने तेल आयात पर भारत के दावों को खारिज किया। उन्होंने मोदी पर एरोगेंट (घमंडी) होने का आरोप लगाया।

बिहार में एनडीए में हुआ सीटों का बंटवारा!

जेडीयू 102 तो 101 पर लड़ेगी बीजेपी, कुशवाहा, मांझी, चिराग को कितना?

सबसे अधिक सीटों पर नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू लड़ेगी. बिहार की 243 सीटों में जेडीयू को 102 सीटें दी गई हैं

वेब वार्ता, पटना

बिहार में इस साल (2025) होने वाले विधानसभा के चुनाव को लेकर अब तक की सबसे बड़ी जानकारी सामने आई है कि एनडीए में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला सेट हो गया है। सीटें भी बंट गई हैं। सबसे पहले यह जान लें कि एनडीए में पांच दल हैं। बीजेपी और जेडीयू के अलावा चिराग पासवान की पार्टी, जीतन राम मांझी की पार्टी एवं उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी शामिल है। इन्हीं पांच दलों में सीटों का बंटवारा फाइनल हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक सबसे अधिक सीटों पर नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू लड़ेगी। बिहार की 243 सीटों में जेडीयू को 102 सीटें दी गई हैं। वहीं दूसरे नंबर पर बीजेपी है। भारतीय जनता पार्टी इस बार 101 सीट पर चुनाव लड़ेगी। वहीं चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी (रामविलास) को 20 सीटें दी गई हैं। इसके अलावा जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा को 10-10 सीटें दी जाएंगी। एक-दो सीटें आगे-पीछे हो सकती हैं। हालांकि इस आंकड़े को लेकर आधिकारिक रूप से कोई पुष्टि नहीं की गई है। सीटों के बंटवारे को लेकर बहुत जल्द घोषणा होगी यह भी तय है। एक रिपोर्ट में इन्हीं आंकड़ों को जारी किया है। ऐसे में माना जा रहा है कि बिहार में एनडीए गठबंधन की सीट शेयरिंग की तस्वीर अब साफ हो गई है।

चिराग पासवान की पार्टी ने कर दी इतनी सीटों की डिमांड, एनडीएम में सीट बंटवारा फंसाएगा पेंच!

पटनाः लोक जनशक्ति पार्टी (रा) ने स्पष्ट किया है कि उन्हें एनडीए के घटक के रूप में बिहार विधानसभा में 43 से कम सीटें मंजूर नहीं हैं। पार्टी सांसद अरुण भारती ने सोशल मीडिया पर सीटों की संख्या 43 से 135 के बीच होने की बात कही। उन्होंने 2025 के चुनाव को LJP(R) के लिए ऐतिहासिक बताया क्योंकि वे जद(यू) के साथ गठबंधन करेंगे। पटना। साथ या अलग चुनाव लड़ने की चचाओं के बीच गुरुवार को लोक जनशक्ति पार्टी (रा) ने साफ कर दिया कि एनडीए के घटक के रूप में उसे विधानसभा की 43 से कम सीटें नहीं चाहिए। पार्टी के सांसद और प्रधान महासचिव अरुण भारती ने हालांकि सीटों की सही संख्या नहीं बताई। लेकिन, अपने इंटरनेट मीडिया एकाउंट पर लिखा-सीटों की संख्या 43 और 135 के बीच होनी चाहिए। भारती ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि लोक जनशक्ति पार्टी की स्थापना वर्ष 2000 में हुई थी। तब से अब तक पार्टी ने कभी भी बिहार विधानसभा चुनाव खऊव) के साथ नहीं लड़ा। 2015 में पार्टी ने ठऊअ के साथ मिलकर 43 सीटों पर चुनाव लड़ा और 2020 में 137 सीटों पर चुनाव लड़ा। 2000 से लेकर 2025 तक हमारे नेता चिराग पासवान जी के नेतृत्व में पार्टी लगातार मजबूत हुई है। इसी पृष्ठभूमि में आगामी चुनाव में, मेरी व्यक्तिगत राय में, ठऊअ के भीतर सीट बंटवारे का LJP(R) के लिए सम्मानजनक आंकड़ा इन्हीं दोनों सीटों के आंकड़े के बीच का होना चाहिए।

दूसरी तरफ बिहार एनडीए में सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला तो लगभग तय हो गया है, लेकिन कौन सी पार्टी कौन सी सीट पर लड़ेगी इसका मंथन आगे होगा। बता दें कि अभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी दिल्ली गए थे। इस बीच अब सीटों का ये आंकड़ा आया है। जेडीयू को अधिक सीटें देकर यह बताने की कोशिश की गई है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही एनडीए चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है।

टैरिफ के बाद अमेरिका वीजा पर सख्त, नए नियम होंगे लागू

वेब वार्ता, वाशिंगटन

फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने H-1B वीजा को स्कैम बताया है। टैरिफ के बाद अब अमेरिका वर्क वीजा, स्टूडेंट वीजा और ग्रीन कार्ड पर भी सख्ती दिखाने लगा है। सरकार ने नए नियम लाने की तैयारी की है, जिनके तहत विदेशी छात्रों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में आने वाले लोगों और विदेशी पत्रकारों की वीजा अवधि कम की जाएगी। अभी तक इन लोगों को जरूरत के हिसाब से अमेरिका में रहने की इजाजत थी। लेकिन नए नियम के मुताबिक, विदेशी छात्र और सांस्कृतिक मेहमानों को 4 साल तक का वीजा मिलेगा। विदेशी पत्रकारों को 240 दिन का वीजा मिलेगा। ट्रम्प प्रशासन का कहना है कि इससे वीजा धारकों की निगरानी आसान होगी और दुरुपयोग पर रोक लगेगी। लेकिन इस फैसले का सीधा असर भारतीय आईटी कंपनियों और अमेरिका में पढ़ने व काम करने वाले भारतीयों पर पड़ सकता है। इस बीच अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक और फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डिसेंटिस ने H-1B वीजा को घोटाला बताया है। डिसेंटिस का कहना है कि इस वीजा का सबसे ज्यादा फायदा भारत के लोगों को मिल रहा है। अमेरिका में जारी होने वाले H-1B वीजा का लगभग 75% भारतीयों को मिलता है। भारत हर साल लाखों इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस के ग्रेजुएट तैयार करता है, जो अमेरिका की टेक इंडस्ट्री में बड़ी भूमिका निभाते हैं। इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो, कॉग्निजेंट और एचसीएल जैसी कंपनियां सबसे ज्यादा H-1B वीजा स्पॉन्सर करती हैं। इसीलिए कहा जाता है कि भारत अमेरिका को सामान से ज्यादा लोग यानी इंजीनियर, कोडर और छात्र एक्सपोर्ट करता है। स्टूडेंट और एक्सचेंज वीजा को लेकर भी ट्रम्प प्रशासन सख्त है। पहले से नियम यह था कि जब तक छात्र का एडमिशन रहता है, उसे रहने की अनुमति मिलती है। लेकिन अब नया नियम यह है कि छात्र और एक्सचेंज वीजा सिर्फ 4 साल तक ही मान्य होंगे।

आपत्ति दर्ज करने की अंतिम तिथि एक सितंबर

नई दिल्लीः चुनाव आयोग के दिशा- निर्देशों के तहत बिहार में मतदाता पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के अंतर्गत एक अगस्त को प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची पर दावा और आपत्ति दर्ज करने की अंतिम तिथि एक सितंबर निर्धारित की गयी है। आयोग ने मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित की है और इस सूची की प्रति बिहार के सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध करा दी गई है ताकि राजनीतिक दल इसकी गहन जाँच कर सकें और यदि किसी पात्र मतदाता का नाम मसौदा मतदाता सूची में उपलब्ध नहीं है, तो वे संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) के समक्ष दावे और आपत्तियाँ दर्ज करा सकते हैं। आयोग ने दावे और आपत्तियाँ दर्ज कराने की अंतिम तिथि एक सितंबर निर्धारित की की है। आयोग को एक अगस्त से 27 अगस्त तक मतदाताओं से सीधे 1,78,948 दावे प्राप्त हुए।

पर्यावरण हितैषी परिवहन का नया अध्याय शुरूः रेखा

नई दिल्लीः दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली सरकार स्वच्छ और सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है तथा आज विद्यार्थियों के लिए शुरू की गयी इलेक्ट्रिक बसें न केवल प्रदूषण कम करेंगी बल्कि छात्रों के लिए लाइफ-लाइन भी बनेगी। गुप्ता ने आज दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिसर से 100 नई इलेक्ट्रिक बसों और कॉलेज छात्रों के लिए 25 यूनिवर्सिटी स्पेशल (यू-स्पेशल) बस सेवा का शुभारंभ करने के बाद कहा कि यू-स्पेशल बसों की शुरुआत युवाओं के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और पर्यावरण हितैषी परिवहन का नया अध्याय है। उन्होंने कहा , ''कभी यू- स्पेशल बसें विद्यार्थियों के लिए लाइफ लाइन मानी जाती थी। अब हमने इसे दोबारा शुरू कर उसे फिर से छात्रों के लिए जीवन-रेखा बना दिया है।'' उन्होंने जानकारी दी कि छात्रों के लिए चलने वाली ये बसें आधुनिक सुविधाओं जैसे एसी, सीसीटीवी कैमरे, पैनिक बटन और म्यूज़िक सिस्टम से लैस हैं।

नेपाल के रास्ते बिहार में घुसे तीन आंतकवादी, हाई अलर्ट

पटनाः बिहार में नेपाल के रास्ते तीन आतंकवादियों के घुसने के बाद पूरे राज्य में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। पुलिस मुख्यालय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकी नेपाल के रास्ते बिहार में घुसे हैं। इनमें हसनैन अली (रावलपिंडी निवासी), आदिल हुसैन (उमरकोट निवासी) और मोहम्मद उस्मान (बहावलपुर निवासी) शामिल हैं। पुलिस ने तीनों आतंकियों के नाम और तस्वीरें सार्वजनिक कर दी हैं. इनके पासपोर्ट से जुड़ी जानकारी भी साझा की गई है. बताया जा रहा है कि ये आतंकी अगस्त के दूसरे हफ्ते में काठमांडू पहुंचे और तीसरे हफ्ते में नेपाल बॉर्डर से बिहार में दाखिल हुए।आशंका है कि ये किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों को सतर्क कर दिया है।

चिनार कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रशांत श्रीवास्तव गुरुवार को बारामूला में हाजी पीर दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण समारोह के दौरान एक पुस्तक पर हस्ताक्षर करते हुए। यह दिवस 1965 के युद्ध के दौरान हाजी पीर दर्रे पर ऐतिहासिक कब्जा करने की याद में मनाया जाता है।

कपास पर शुल्क माफ कर किया विश्वासघात

वेब वार्ता, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अमेरिका के दवाब में काम करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि कपास पर शुल्क माफ कर किसानों के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात किया है।

केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि देश के किसानों के साथ खड़े होने का बार-बार दावा कर रहे प्रधानमंत्री ने उन्हीं किसानों के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात किया है। मोदी सरकार ने अमेरिका से भारत आने वाली कपास पर इंपोर्ट ड्यूटी माफ कर दी है। पहले 19 अगस्त से 30 सितंबर तक इंपोर्ट ड्यूटी हटाई थी, जिसे अब बढ़ाकर 31 दिसंबर तक कर दी है। इससे अमेरिकी कपास भारत में हमारे किसानों की कपास से 15-20 फीसद सस्ती हो जाएगी। अक्टूबर में जब तक किसानों की कपास मंडी में आएगी, तब तक टैक्सटाइल इंडस्ट्री अपनी जरूरत की कपास खरीद चुकी होगी। उसके बाद किसान औने-पौने दाम पर अपनी कपास बेचने को मजबूर होगा। उन्होंने कहा कि मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आगे पूरी तरह से घुटने टेक दिए हैं। यह न केवल किसानों, उद्योगों और रोज़गार के लिए ख़तरनाक है, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के सम्मान पर भी प्रहार है। जितना ट्रम्प के आगे झुकोगे, वो उतना ही झुकाएगा। एक बार उसको मुंहतोड़ जवाब तो देना चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रम्प एक कायर और बुझदिल आदमी है। जिस देश ने भी ट्रम्प का बहादुरी से जवाब दिया, ट्रम्प को उनके आगे झुकना पड़ा। उन्होंने मांग की है कि अमेरिकी कपास पर 11 फीसदी इंपोर्ट ड्यूटी फिर से लगाकर अपने किसानों को आत्महत्या करने से बचाइए।

हरियाणा में हुई वोट चोरी का भी पर्दाफाश करेंगे

राहुल गांधी ने सीतामढ़ी जिले के रीगा ब्लॉक में आयोजित जनसभा में बोले

वेब वार्ता, सीतामढ़ी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि कर्नाटक में वोट चोरी का सबूत मिला है जिसकी वजह से उनका गठबंधन बिहार में भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) तथा चुनाव आयोग की मिलीभगत का पर्दाफाश करने में सफल रहा और शीघ्र ही पूरे प्रमाण के साथ 2024 के लोकसभा और हरियाणा विधानसभा में हुई वोट चोरी का पर्दाफाश किया जाएगा।

गांधी ने सीतामढ़ी जिले के रीगा ब्लॉक में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र में भाजपा की सरकार जनता की चुनी हुई सरकार नही है और इसका गठन वोट चोरी से हुआ है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक और महाराष्ट्र में वोट चोरी के खुलासे के बाद बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस ने अपने गठबंधन के साथियों के साथ वोटर अधिकार यात्रा निकाली है ताकि प्रदेश में मतदाताओं के अधिकारों की सुरक्षा की जा सके। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही उनकी पार्टी 2024 के लोकसभा और हरियाणा विधानसभा चुनाव में हुई वोट चोरी का प्रमाण के साथ खुलासा करेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि जिन 65 लाख लोगो के नाम बिहार की मतदाता सूची से काट दिए गये, उनमें कोई अमीर व्यक्ति नही है और सभी प्रभावित नाम गरीब, वंचित और शोषित लोगो के हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और चुनाव आयोग देश मे लोकतंत्र को खत्म कर राजतंत्र स्थापित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अमीरों के पास बहुत कुछ होता है लेकिन गरीबो के पास अपनी अस्मिता और हक को बचाने के लिए एक ही साधन है और वह है उनका मताधिकार जिसकी बदौलत मजबूत सरकारे भी गिरा दी जाती हैं। गांधी ने कहा कि बिहार के लोगों में अन्य राज्यो के मुकाबले राजनीतिक जागरूकता ज्यादा है और उन्हें बेवकूफ बनाना बहुत मुश्किल है। उन्होंने कहा कि बिहार में यात्रा करते हुए बिहारियों की राजनीतिक प्रतिबद्धता का मैं कायल हो गया हूँ और भाजपा जितना भी जोर लगा ले प्रदेश में एक भी वोट चोरी नही होने दिया जाएगा।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को अपनी मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान सीतामढी के प्राचीन जानकी मंदिर में पूजा की।

सरकार ने कपास पर आयात शुल्क छूट की अवधि 3 महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर तक की

वेब वार्ता, नई दिल्ली

ट्रंप प्रशासन की ओर से भारतीय आयात पर लगाए गए अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ के बीच केंद्र सरकार ने कपास के शुल्क मुक्त आयात की अवधि तीन महीने के लिए बढ़ाकर 31 दिसंबर तक कर दी है। इससे पहले 18 अगस्त को वित्त मंत्रालय ने 19 अगस्त से 30 सितंबर तक कपास आयात पर शुल्क छूट की अनुमति दी थी। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि निर्यातकों को और अधिक समर्थन देने के लिए केंद्र सरकार ने कपास (एचएस 5201) पर आयात शुल्क छूट 30 सितंबर से 31 दिसंबर तक बढ़ाने का फैसला लिया है। इस संदर्भ में अधिसूचना जारी की जाएगी। सरकार के इस कदम का मकसद अमेरिका के कुल 50 फीसदी उच्च शुल्क का सामना कर रहे कपड़ा निर्यातकों को समर्थन प्रदान करना है। मंत्रालय के मुताबिक इसमें पांच फीसदी मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) और पांच फीसदी कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर (एआईडीसी) से छूट के साथ दोनों पर 10 फीसदी सामाजिक कल्याण अधिभार छूट शामिल है, जिससे कपास पर कुल आयात शुल्क 11 फीसदी बैठता है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक इस कदम से उत्पादन लागत कम करके तथा कपड़ा क्षेत्र में लघु एवं मझोले उद्यमों (एसएमई) को संरक्षण देकर भारतीय कपड़ा उत्पादों की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही कपड़ा मूल्य श्रृंखला की कच्चे माल की लागत कम होने और विनिर्माताओं एवं उपभोक्ताओं दोनों को आवश्यक राहत मिलने की उम्मीद है। कपड़ा मूल्य श्रृंखला में धागा, कपड़ा, परिधान एवं सिले हुए उत्पाद शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि कपड़ा, रत्न एवं आभूषण और चमड़ा सहित भारतीय वस्तुओं पर 27 अगस्त से अमेरिकी टैरिफ बढ़कर 50 फीसदी हो गया है। सरकार के कपास पर शुल्क छूट से घरेलू बाजार में कच्चे कपास की उपलब्धता बढ़ेगी।

वार्ता, ब्रीफ

कच्चा तेल सस्ता, कंपनियों का मुनाफा बंपर, लेकिन उपभोक्ताओं को राहत नहीं

नई दिल्ली। बीते कुछ महीनों से कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट देखने को मिली है, लेकिन इसका फायदा अब तक आम जनता को नहीं मिल पाया है। मार्च 2025 से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बना हुआ है। वहीं भारत को रूस से और 5 फीसदी अतिरिक्त छूट भी मिल रही है, जिससे आयातित तेल की कीमत में और गिरावट आ गई है। इसके बावजूद देश की तीन प्रमुख सरकारी तेल कंपनियां—इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें घटाने से बच रही हैं। इन कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में कुल 16,184 करोड़ का मुनाफा कमाया, जो बीते वर्ष की तुलना में ढाई गुना ज्यादा है। इस अवधि में बीपीसीएल को सबसे अधिक 6,124 करोड़ का लाभ हुआ, जबकि आईओसी ने 5,689 करोड़ और एचपीसीएल ने 4,371 करोड़ कमाए। मौजूदा समय में कंपनियां पेट्रोल पर प्रति लीटर 11.20 रुपए और डीजल पर 8.10 रुपए का विपणन मार्जिन कमा रही हैं, जो विश्लेषकों के अनुसार सामान्य से कहीं अधिक है। मार्च से तेल कीमतों में गिरावट, फिर भी पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर हालांकि सरकार ने अप्रैल में उत्पाद शुल्क 2 प्रति लीटर बढ़ाया था, पर खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ क्योंकि यह बढ़ोतरी अंतरराष्ट्रीय गिरावट से समायोजित कर दी गई थी। वहीं एलपीजी पर भारी सब्सिडी के बावजूद कंपनियों का लाभ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।

विल्मर ने अदाणी समूह से एडब्ल्यूएल में हिस्सेदारी बढ़ाने सीसीआई से मंजूरी मांगी

नई दिल्ली। सिंगापुर की कृषि कंपनी विल्मर इंटरनेशनल ने अपनी इकाई लेंस प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले अदाणी अडानी समूह से एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से मंजूरी मांगी है। यह प्रस्ताव पिछले महीने 7,150 करोड़ रुपये में हुआ अधिग्रहण करने की घोषणा के बाद आया है।वर्तमान में, विल्मर के पास लेंस प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस में लगभग 43.94 प्रतिशत हिस्सेदारी है। प्रस्तावित अधिग्रहण के बाद यह हिस्सेदारी बढ़कर 54.94 से 63.94 प्रतिशत के बीच हो जाएगी। इससे विल्मर इस कंपनी का बहुमत मालिक बन जाएगा। सीसीआई में दाखिल किए गए नोटिस के अनुसार अधिग्रहणकर्ता लेंस प्राइवेट लिमिटेड ने लक्ष्य कंपनी की चुकता शेयर पूंजी का न्यूनतम 11 प्रतिशत और अधिकतम 20 प्रतिशत अधिग्रहित करने का प्रस्ताव रखा है। इस अधिग्रहण के लिए सीसीआई की मंजूरी जरूरी है ताकि प्रतिस्पर्धा पर इसका प्रभाव आकलित किया जा सके।

सीमलेस पाइप उद्योग ने चीनी पाइप आयात पर अंकुश लगाने सरकार से की मांग

नई दिल्ली। सीमलेस ट्यूब मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसटीएमएआई) ने सरकार से घरेलू सीमलेस पाइप उद्योग की सुरक्षा के लिए चीन से आने वाले कम लागत वाले पाइपों के आयात पर सख्त रोक लगाने का आग्रह किया है। एसटीएमएआई का कहना है कि देश में सीमलेस पाइप और ट्यूब की उत्पादन क्षमता घरेलू मांग से कहीं अधिक है, इसलिए आयात को नियंत्रित करना जरूरी है ताकि स्थानीय उद्योगों को बचाया जा सके। एसटीएमएआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारत में सीमलेस पाइप एवं ट्यूब की स्थापित उत्पादन क्षमता लगभग 19.5 लाख मीट्रिक टन है, जबकि देश की कुल मांग लगभग 13.2 लाख मीट्रिक टन है। यह स्पष्ट करता है कि घरेलू उत्पादन मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। हालांकि सरकार की सुरक्षा नीतियों के बावजूद पिछले 3-4 वर्षों में चीन से सीमलेस पाइप के आयात में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि चीन से आयात करने वाले आयातक सीमा शुल्क निकासी के समय अधिक मूल्य दिखाते हैं, लेकिन बाद में वे भारतीय बाजार में इन उत्पादों को घरेलू निर्माताओं की तुलना में काफी कम कीमत पर बेच रहे हैं। इससे घरेलू उद्योग को भारी नुकसान हो रहा है। घरेलू पाइप उद्योग ने ऑक्सीजन सिलेंडर पाइप, ड्रिल पाइप सहित कई महत्वपूर्ण उत्पादों के लिए भारी निवेश किया है।

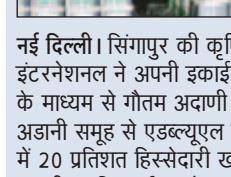

भारत के लिए दीर्घकालिक आर्थिक उदय का समय है ये ईवाई और आरबीआई का निष्कर्ष

वेब वार्ता, नई दिल्ली

दुनिया की प्रमुख परामर्श कंपनी अर्न्स्ट एंड यंग (ईवाई) की हालिया बिजनेस इंटेलिजेंस रिपोर्ट और भारतीय रिज़र्व बैंक की विस्तृत समीक्षा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले दो दशक भारत के लिए निर्णायक साबित होंगे। ईवाई का आकलन है कि वर्ष 2038 तक भारत क्रय शक्ति समता के आधार पर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा और इस दौरान वह अमेरिका, जापान और जर्मनी जैसे देशों को पीछे छोड़ देगा। यह अनुमान केवल आँकड़ों का खेल नहीं बल्कि उस गहरे संरचनात्मक परिवर्तन का परिणाम है जो भारत ने पिछले एक दशक में किए हैं। इसी के साथ एक रिपोर्ट भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की भी सामने आई है, जो यह बता रही है कि किस प्रकार उसकी लचीली मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण प्रणाली ने भारत को कोविड महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध और आपूर्ति संकट जैसे वैश्विक झटकों के बीच भी स्थिर बनाए रखा। इन दोनों रपटों का मिलाजुला संदेश यह है कि भारत का आर्थिक उत्थान केवल अल्पकालिक चक्रीय गति में तेजी का परिणाम नहीं बल्कि दीर्घकालिक और टिकाऊ विकास की कहानी है।

युवा जनसंख्या बना रही रही है भारत को शक्तिशाली - भारत की ताकत उसकी युवा जनसंख्या है। वर्ष 2025 तक देश की औसत आयु केवल 28.8 वर्ष होगी। यह स्थिति कम से कम दो दशकों तक भारत को अद्वितीय लाभ देगी, क्योंकि जब दुनिया के कई देश वृद्धावस्था और श्रमशक्ति की कमी से जूझ रहे होंगे, तब भारत के पास विशाल युवा कार्यबल होगा। यह वर्ग न केवल उत्पादन और सेवा क्षेत्र में योगदान देगा बल्कि उपभोग भी बढ़ाएगा, जिससे घरेलू बाजार मजबूत होगा। युवा आबादी निवेश और बचत की प्रवृत्ति को भी बढ़ाएगी, जो दीर्घकालिक पूँजी निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है। भारत सरकार का राजकोषीय अनुशासन भी इस यात्रा को गति दे रहा है। 2024 में ऋण-जीडीपी अनुपात 81.3 प्रतिशत था और सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक इसे घटाकर 75.8 प्रतिशत पर लाया जाए। यह संकेत वैश्विक निवेशकों को भरोसा देता है कि भारत केवल विकास की गति पर ही नहीं बल्कि स्थिरता पर भी ध्यान दे रहा है। पूँजीगत व्यय में लगातार वृद्धि, विशेषकर सड़क, रेल, बंदरगाह और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर, आने वाले वर्षों में भारत की उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता को नए आयाम दे रही है। ये तीन शक्तियां हैं भारत के पास- युवा कार्यबल, घरेलू माँग, सुधारों की निरंतरता यदि वैश्विक तुलना की जाए तो चीन दुनिया की सबसे बड़ी पीपीपी अर्थव्यवस्था है लेकिन वह तेजी से वृद्ध हो रही आबादी और भारी कर्ज़ की समस्या से जूझ रहा है। अमेरिका का लचीलापन अभी भी बना हुआ है लेकिन उसका ऋण-जीडीपी अनुपात 120 प्रतिशत से ऊपर जा चुका है और उसकी दीर्घकालिक वृद्धि की संभावनाएँ सीमित हो रही हैं। जर्मनी और जापान दोनों ही जनसांख्यिकीय गिरावट और वैश्विक व्यापार पर अत्यधिक निर्भरता से प्रभावित हैं। इन सबके बीच भारत अलग खड़ा है। उसके पास युवा कार्यबल है, घरेलू माँग है और सुधारों की निरंतर प्रक्रिया है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थान भविष्यवाणी कर रहे हैं कि आने वाला दौर भारत का होगा। भारत केवल आँकड़ों की ताकत से नहीं बल्कि तकनीकी और औद्योगिक छलांग से भी अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव यानी पीएलआई योजनाएँ इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, टेक्सटाइल और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ा रही हैं। साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), अर्धचालक निर्माण और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में निवेश से भारत भविष्य की औद्योगिक क्रांति का अहम केंद्र बन सकता है। यह विकास केवल शहरी भारत तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी रोजगार और आय के नए अवसर पैदा करेगा। दूसरी ओर, आरबीआई के आंकड़े कह रहे हैं कि 2016 में भारत ने लचीली मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण प्रणाली अपनाई जिसमें चार प्रतिशत लक्ष्य तय किया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि भारत ने वैश्विक आपूर्ति संकटों के बीच भी मुद्रास्फीति को अपेक्षाकृत नियंत्रित रखा। विकसित देशों तक में कोविड और युद्ध के कारण महँगाई की दरें दहाई अंकों तक पहुँच गईं लेकिन भारत में औसत मुद्रास्फीति पाँच से छह प्रतिशत के भीतर रही। यह सफलता केवल मौद्रिक नीति के कारण नहीं बल्कि सरकार और आरबीआई के बीच तालमेल की वजह से संभव हुई। एक ओर रिजर्व बैंक ने दरों और तरलता का प्रबंधन किया तो दूसरी ओर सरकार ने खाद्य और ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आपूर्ति-पक्ष कदम उठाए।

मुद्रास्फीति पर नियंत्रण बना भारत की ताकत - इस अनुभव ने दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत की नीतिगत विश्वसनीयता उच्च स्तर पर है। यही कारण है कि कई विकासशील देश भारत के इस मॉडल को 'बेस्ट प्रैक्टिस' मानने लगे हैं। यहाँ तक कि जहाँ खाद्य और ऊर्जा का हिस्सा उपभोग टोकरी में बहुत अधिक है, वहाँ भी भारत ने मुद्रास्फीति पर नियंत्रण दिखाकर यह साबित किया कि सही ढाँचे और अनुशासन से बड़ी चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। इस सकारात्मक परिदृश्य के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति ने एक नई बहस छेड़ दी है। अमेरिका ने भारत से निर्यात होने वाले ज्यादातर सामान पर 50 का भारी टैक्स लगा दिया है, जबकि पिछले साल यह सिर्फ 3 था।

अमेरिका के टैरिफ झटके के बाद भारत ने 40 देशों में निर्यात बढ़ाने की कवायद तेज की

वेब वार्ता, नई दिल्ली

अमेरिका द्वारा भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत ने 40 देशों में निर्यात बढ़ाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। वाणिज्य मंत्रालय अब अमेरिका पर निर्भरता घटाकर यूके, स्पेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा, मैक्सिको, यूएई और ऑस्ट्रेलिया जैसे नए बाजारों में अवसर तलाश रहा है। इन प्रयासों के तहत ट्रेड फेयर, बायर-सेलर मीट्स और सेक्टर-विशेष प्रमोशन कैंपेन आयोजित किए जा रहे हैं।

मंत्रालय इस सप्ताह निर्यातकों के साथ परामर्श की श्रृंखला शुरू करने जा रहा है, जिसमें कपड़ा, केमिकल और जेम्स एंड ज्वेलरी जैसे क्षेत्रों के उद्योग प्रतिनिधि शामिल होंगे। इन बैठकों में सीमित उत्पादों व बाजारों पर निर्भरता कम करने और नए भौगोलिक क्षेत्रों में प्रवेश की रणनीति पर चर्चा होगी। सरकार का उद्देश्य वैश्विक बाजारों में भारत की उपस्थिति को मजबूत करना है। इसी दिशा में, वाणिज्य मंत्रालय ने छह वर्षों की अवधि के लिए 25,000 करोड़ रुपये की योजनाओं का प्रस्ताव तैयार किया है। यह योजनाएं श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे कपड़ा, रत्न-आभूषण और समुद्री उत्पादों के छोटे निर्यातकों को वित्तीय सहायता प्रदान करेंगी। इसके साथ ही भारत यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, ओमान, आसियान, न्यूजीलैंड, पेरू और चिली जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों की समीक्षा और क्रियान्वयन भी तेज कर रहा है। ये योजनाएं विश्व व्यापार संगठन के नियमों के अनुरूप तैयार की गई हैं और इनका मुख्य फोकस ट्रेड फाइनेंस और वैश्विक बाजारों तक पहुंच में सुधार लाना है।

नए बाजारों पर फोकस, एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन के तहत 25,000 करोड़ की योजनाएं प्रस्तावित

लेखा परीक्षकों की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने पर एनएफआरए का जोर

नई दिल्ली। एनएफआरए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि कंपनियों की लेखापरीक्षा समितियों को लेखा परीक्षकों की स्वतंत्रता सुनिश्चित करनी चाहिए। यह कदम सुदृढ़ वित्तीय रिपोर्टिंग और पारदर्शिता के लिए आवश्यक है। उन्होंने बताया कि बाहरी लेखा परीक्षकों की भूमिका वित्तीय विश्वास और सटीकता बनाए रखने में महत्वपूर्ण है। उन्होंने आंतरिक नियंत्रण और जोखिम प्रबंधन प्रणाली को भी मजबूत बनाने पर ज़ोर दिया, जो कॉर्पोरेट कामकाज के अच्छे तरीकों का हिस्सा होनी चाहिए। यह बातें उन्होंने फिक्की द्वारा आयोजित सम्मेलन 'चुस्त प्रशासन: पारदर्शिता को बढ़ावा देना एवं विश्वास का निर्माण' में कही। उनका मानना है कि लेखा परीक्षा समितियों की सक्रिय भूमिका से वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी और निवेशकों का भरोसा मजबूत होगा।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

वेब वार्ता, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इसके विपरीत चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,02,600 रुपये से लेकर 1,02,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 94,050 रुपये से लेकर 94,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 1,20,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,02,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 94,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,02,600 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 94,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,02,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 94,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,02,600 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 94,050 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,02,600 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 94,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,02,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 94,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,02,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 94,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,02,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 94,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,02,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 94,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

वेब वार्ता, नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं, एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,481.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.21 प्रतिशत की तेजी के साथ 21,590.14 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 109.30 अंक यानी 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 45,674.53 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 9,255.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 106.66 अंक यानी 0.44 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,046.21 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.44 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,743.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 3 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 6 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 153.50 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,544 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 171.76 अंक यानी 0.68 प्रतिशत टूट कर 25,030 अंक के स्तर पर और ताईवान वेटेड इंडेक्स 123.48 अंक यानी 0.50 प्रतिशत फिसल कर 24,396.42 अंक के स्तर पर आ गए हैं। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 223.73 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ 42,744 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,204.04 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में भी अच्छी तेजी नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 0.73 प्रतिशत की उछाल के साथ 7,993.78 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की छलांग लगा कर 1,250.39 अंक के स्तर पर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,250.34 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,803.08 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सार संक्षेप

शौर्य भट्टाचार्य ने तीसरे राउंड में सुपर 66 के साथ तीन शॉट की बढ़त बनाई

कोलार (कर्नाटक) : दिल्ली के शौर्य भट्टाचार्य ने कर्नाटक के कोलार के पास स्थित जायन हिल्स गोल्फ काउंटी में खेले जा रहे 1 करोड़ रुपये इनामी कोलार ओपन 2025 पावर्ड बाय जायन हिल्स के तीसरे राउंड में छह अंडर 66 का टूर्नामेंट का सबसे कम स्कोर बनाकर कुल आठ अंडर 208 के स्कोर के साथ तीन शॉट की बढ़त बना ली। पीजीटीआई में दो बार विजेता और इस साल की शुरुआत में विजेता रहे शौर्य (70-72-66) अपने 66 के स्कोर की बदौलत रात के अपने पांचवें स्थान से चार स्थान ऊपर आ गए। हालांकि, शौर्य के 66 के स्कोर को कोर्स रिकॉर्ड में नहीं गिना गया क्योंकि तीसरे राउंड के दौरान पसंदीदा नियम लागू था। पुणे के उदयन माने (73-67-71), जो बुधवार को 67 के अपने कोर्स रिकॉर्ड स्कोर के साथ दूसरे राउंड में शीर्ष पर थे, गुरुवार को 71 का स्कोर बनाकर पांच अंडर 211 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए। डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब, गुरुग्राम के हनी बैसोया (70) और नेपाल के सुभाष तमांग (72) तीन अंडर 213 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। तीस वर्षीय शौर्य भट्टाचार्य, जो तीसरे राउंड की शुरुआत में लीड से दो शॉट पीछे थे, ने पहले चार होल में तीन बर्डी लगाकर शानदार शुरुआत की, जहां उन्होंने कुछ शानदार उतार-चढ़ाव भी किए।

भारतीय अंडर-23 टीम इराक के खिलाफ दूसरे मैत्री मैच में हारी

कुआलालंपुर : भारत अंडर-23 पुरुष राष्ट्रीय टीम को मलेशिया के कुआलालंपुर फुटबॉल स्टेडियम में खेले गए अपने दूसरे मैत्री मैच में इराक के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। ब्लू कोल्ट्स ने पहले हाफ में प्रभावित किया और ब्रेक तक 1-0 की बढ़त बना ली। हालांकि, खेल दोबारा शुरू होने के बाद इराक ने जोरदार वापसी की और तीन गोल दागकर मैच का रुख अपने पक्ष में कर लिया। इराक ने पहला मैत्री मैच 2-1 से जीता था। परिणामों के बावजूद, इन मैत्री मैचों ने टीम को दोहा में होने वाले एएफसी अंडर-23 एशियाई कप क्वालीफायर की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण अनुभव और तैयारी का अवसर प्रदान किया, जहां उनका सामना 3 सितंबर को बहरीन, 6 सितंबर को मेजबान कतर और 9 सितंबर को ब्रुनेई दारुस्सलाम से होगा।

प्रज्ञानंधा ने ग्रैंड शतरंज टूर के फाइनल में बनाई जगह

सेंट लुई (अमेरिका) : भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंधा ने गुरुवार को सिंकफील्ड कप में उपविजेता रहकर ग्रैंड शतरंज टूर फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। यहां खेले गए मुकाबले में अमेरिका के वेस्ली सो ने नाटकीय त्रिकोणीय प्लेऑफ जीत के साथ खिताब अपने नाम किया। सो ने नौवें और अंतिम राउंड में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया। प्रज्ञानंधा और फैबियानो कारुआना के साथ ड्रा खेला। उन्होंने संभावित दो में से 1.5 अंक हासिल करते हुए प्लेऑफ में जगह बनाई। क्लासिकल वर्ग में सो, कारुआना और प्रज्ञानंद के 5.5 अंक रहे। प्रज्ञानंधा ने अमेरिका के लेवोन अरोनियन के साथ ड्रॉ खेला और टाईब्रेक में कारुआना को हराकर एक अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि सो के खिलाफ एकमात्र ड्रॉ के बाद कारुआना को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। अरोनियन पांच अंक लेकर चौथे स्थान पर रहे। वाचियेर लाग्रेव, अमेरिका के सैमुअल सेवियान और पोलैंड के डुडा जान क्रिस्टोफ पांचवें स्थान पर रहे। उनके बाद विश्व चैंपियन डी गुकेश रहे।

राज्य लीगे प्रतिस्पर्धा को नहीं, प्रतिभाओं को पोषित करती हैं : रोहन जेटली

नई दिल्ली : दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने गुरुवार को देश भर में टी-20 लीगों के उदय की सराहना करते हुए कहा कि ये टूर्नामेंट एक दूसरे के प्रतिस्पर्धी नहीं है, यह ऐसे मंच हैं जो कि नई प्रतिभाओं को खोजने और निखारने में मदद करते हैं। डीडीसीए के अध्यक्ष जेटली ने कहा कि उनका मानना है कि इस तरह की पहल भारत के क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र में गहराई लाती है और खेल के समग्र विकास में योगदान देती है। उन्होंने कहा कि राज्य लीग एक-दूसरे की प्रतिस्पर्धी नहीं हैं, वे अपने-अपने पारिस्थितिकी तंत्र को पोषित करती हैं। प्रत्येक राज्य का अपना प्रतिभा भंडार और संरचना होती है। ज्यादा लीग का मतलब खिलाड़ियों के लिए अधिक अवसर हैं, और यह कुल मिलाकर भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा है। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के दूसरे संस्करण के बारे में बात करते हुए डीडीसीए अध्यक्ष ने इस बात पर बल दिया कि अपने पहले सीजन की तुलना में प्रतियोगिता का आकार, संगठन और गुणवत्ता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि लीग ने न केवल मैदान पर प्रदर्शन के मामले में मानक ऊंचा किया है, बल्कि राजधानी में पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों के लिए एक मजबूत माहौल बनाने में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने कहा कि एक प्रशासक के तौर पर, आप हमेशा पिछले सीजन से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं।

तीसरे दौर में पहुंचे सबालेंका और अल्काराज

आर्यना सबालेंका ने महिला एकल के दूसरे दौर में पोलिना कुडरमेतोवा को 7-6 (4), 6-2 से हराया जबकि स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने इटली के मटिया बेलुची को 6-1, 6-0, 6-3 से दी शिकस्त

नोवाक जोकोविच ने दूसरे दौर में अमेरिका के जाचरी स्वेज्दा को 6-7 (5), 6-3, 6-3, 6-1 से हराया

वेब वार्ता, न्यूयॉर्क

मौजूदा चैंपियन आर्यना सबालेंका ने महिला एकल के दूसरे दौर में पोलिना कुडरमेतोवा को 7-6 (4), 6-2 से हराया, जबकि स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने इटली के मटिया बेलुची को 6-1, 6-0, 6-3 से हराकर 2025 यूएस ओपन के पुरुष एकल के तीसरे दौर में प्रवेश किया।

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी सबालेंका ने कुडरमेतोवा के खिलाफ धीमी शुरुआत की, ठीक उसी तरह जैसे उन्होंने स्विट्जरलैंड की रेबेका मासरोवा के खिलाफ पहले दौर के मैच में की थी। पहले सेट के टाई-ब्रेकर में कड़ी टक्कर के बाद, तीन बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ने दूसरे सेट में अपनी लय और जीत हासिल की। साल के अपने पहले ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कोशिश में लगी सबालेंका ने जीत के बाद कहा कि पहला सेट मेरे लिए बहुत कड़ा था। यह ज्यादातर सर्विस और पहले शॉट के बारे में था। मुझे खुशी है कि मैं दबाव को संभाल पाई और कुडरमेतोवा को जवाब दे पाई। दूसरे सेट में, मैं अपने रिटर्न गेम में काफी बेहतर महसूस कर रही थी, और मेरी सर्विस भी बेहतर थी। दूसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज ने बेलुची पर सीधे सेटों में ज्यादा आसानी से जीत हासिल की। स्पेनिश खिलाड़ी ने कहा कि मैंने मैच की शुरुआत में कुछ लक्ष्य बनाए थे, और मैं

पहली गेंद से लेकर आखिरी गेंद तक उन पर अमल करने की कोशिश कर रही हूं। इसी चीज ने मुझे मैच में बने रहने, सकारात्मक बने रहने, हर समय आक्रामक बने रहने में बहुत मदद की। उतार-चढ़ाव नहीं आए।

महिलाओं की अन्य शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी भी तीसरे दौर में पहुंच गईं, जहां घरेलू स्टार जेसिका पेगुला ने अन्ना ब्लिंकोवा को 6-1, 6-3 से हराया, और पांचवीं वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा ने अनस्तासिया पोटापोवा को 6-1, 6-3 से आसानी से हराया। पुरुष वर्ग में, चौथी वरीयता प्राप्त संयुक्त राज्य अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज ने दक्षिण अफ्रीका के लॉयड हैरिस को 4-6, 7-6 (3), 6-2, 6-4 से हराया, जबकि 38 वर्षीय अनुभवी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने दूसरे दौर में अमेरिका के जाचरी स्वेज्दा को 6-7 (5), 6-3, 6-3, 6-1 से हराया। अन्य पुरुष एकल मुकाबलों में, जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ ने डेनमार्क के 11वीं वरीयता प्राप्त होल्गर रून को पांच सेटों के मैराथन मुकाबले में 7-6 (5), 2-6, 6-3, 4-6, 7-5 से हराया, और बेल्जियम के 23 वर्षीय राफेल कॉलिग्नन ने नॉर्वे के 12वीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड को 6-4, 3-6, 3-6, 6-4, 7-5 से हराया।

प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 का आगाज आज से

विशाखापट्टनम : प्रो कबड्डी लीग का सीजन 12 अब तक का सबसे रोमांचक और आक्रामक सीजन होने वाला है। इसकी शुरुआत आंध्र प्रदेश के खूबसूरत बंदरगाह शहर विशाखापट्टनम से होगी। यह लीग सात साल के अंतराल के बाद 29 अगस्त को भारत के राष्ट्रीय खेल दिवस के दिन यहां वापसी कर रही है। पीकेएल के इस सीजन में घरेलू पसंदीदा तेलुगु टाइटन्स का सामना तमिल थलाइवाज से होगा, जबकि बेंगलुरु बुल्स और पुनेरी पल्टन दिन का दूसरा मैच विशाखापट्टनम के विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब में खेलेंगे। नए सीजन की शुरुआत के लिए, वरुण बीच स्थित नोवोटेल में एक भव्य लॉन्च का आयोजन किया गया। इस अवसर की शुरुआत मशाल के बिजनेस हेड और प्रो कबड्डी लीग के लीग चेयरमैन अनुपम गोस्वामी, तेलुगु टाइटन्स के कप्तान विजय मलिक, तमिल थलाइवाज के कप्तान पवन सेहरावत और बाकी 10 कप्तानों ने की। इस अवसर पर बोलते हुए, मशाल के बिजनेस हेड और प्रो कबड्डी लीग के लीग चेयरमैन अनुपम ने कहा कि हम पीकेएल के एक और सीजन के लिए वापसी को लेकर रोमांचित हैं।

मांडविया ने तिहरा खिताब जीतने वाले युवा फुटबॉलरों को किया सम्मानित

नई दिल्ली: केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुरुवार को मोहाली स्थित मिनर्वा अकादमी फुटबॉल क्लब के युवा फुटबॉलरों को सम्मानित किया। डॉ. मांडविया ने कहा कि यूरोप में मिली जीत भारतीय फुटबॉल के लिए एक नई शुरुआत है। भारत की 22 खिलाड़ियों की अंडर-14/15 टीम ने जुलाई-अगस्त 2025 में अभूतपूर्व यूरोपीय तिहरा खिताब हासिल करके हास बनाया। इस दौरान भारतीय टीम ने गोथिया कप (स्वीडन), दाना कप (डेनमार्क) और नॉर्वे कप (नॉर्वे) जीते। डॉ. मांडविया ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक गौरव हासिल करने की हमारी खोज में यह भारतीय फुटबॉल के लिए एक नई शुरुआत है। केंद्रीय मंत्री ने युवा एथलीटों से आग्रह किया कि वे जहां भी भाग लें, 'राष्ट्र प्रथम' को ध्यान में रखें। उन्होंने कहा कि मनोवैज्ञानिकों के माध्यम से इन युवाओं के खेल विज्ञान, पोषण और मानसिक लचीलेपन पर अधिक बल दिया जाना चाहिए। इससे भारत जीत की राह पर बना रहेगा। इन युवाओं को अपने आत्मविश्वास और खेल के प्रति अपने जुनून को बनाए रखना होगा। ये टूर्नामेंट दुनिया की तीन सबसे प्रतिष्ठित युवा फुटबॉल प्रतियोगिताओं में से एक माने जाते हैं। इन टूर्नामेंट के दौरान भारतीय टीम 26 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपराजित रही।

थाईलैंड में ट्रैक एशिया कप के पहले दिन स्क्रैच रेस में भारत की उभरती हुई स्टार हर्षिता जाखड़ ने रजत पदक जीता।

मालेवर दोहरे शतक के करीब

पाटीदार ने जड़ा शतक सेंट्रल जोन ने दो विकेट खोकर बनाए 432 रन

बेंगलुरु : दानिश मालेवर (नाबाद 198) और रजत पाटीदार (125) की शतकीय पारियों तथा उनके बीच हुई 343 रनों की जबर्दस्त साझेदारी की बदौलत सेंट्रल जोन ने गुरुवार को दलीप ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में नार्थ ईस्ट जोन के खिलाफ खेलते हुए पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय 77 ओवर में दो विकेट पर 432 रन का विशाल स्कोर बना लिया है।

नार्थ ईस्ट जोन ने यहां टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी सेंट्रल जोन की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने महज चार रन के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज आयुष पांडेय का विकेट गंवा दिया। उन्हें आकाश चौधरी ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए कप्तान रजत

पाटीदार ने दानिश मालेवर के पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 343 रनों की साझेदारी हुई। इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने शतक पूरे किए। 66वें ओवर में फिरोइजम सिंह ने रजत पाटीदार को अंकुर मलिक के हाथों कैच आउट कराकर नार्थ ईस्ट जोन को दूसरी सफलता दिलाई। रजत पाटीदार ने 96 गेंदों में 21 चौके और तीन छक्के लगाते हुए 125 रनों की पारी खेली। दिन का खेल समाप्त होने के समय सेंट्रल जोन ने 77 ओवर में दो विकेट पर 432 रन बना लिए हैं और दानिश मालेवर नाबाद 198 रन और यश राठोर नाबाद 32 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है। मालेवर ने अपनी पारी में 219 गेंदों का सामना किया और इस दौरान 35 चौके और एक छक्का भी लगाया। नार्थ ईस्ट जोन के लिए आकाश चौधरी और फिरोइजम सिंह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

सिंधु और ध्रुव-तनिषा क्वार्टर फाइनल में

सिंधु ने चीन की वांग झीयी को 21-19, 21-15 से हराया

वेब वार्ता, पेरिस

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु ने एकल में तथा ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो ने मिश्रित युगल में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2025 के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली है।

सिंधु ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी चीन की वांग झीयी पर जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। 2019 की विश्व चैंपियन सिंधु ने पहले गेम में जीत के साथ अपनी पकड़ मजबूत कर ली और फिर दूसरे गेम में अपनी प्रतिद्वंद्वी को पूरी तरह से मात देते हुए केवल 48 मिनट में 21-19, 21-15 से जीत हासिल की। सिंधु, जिन्होंने पहले मैच में बुल्गारिया की कालोयाना नलबांटोवा और दूसरे मैच में मलेशिया की करुपाथेवन लेत्शाना को हराया था, शुक्रवार को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए इंडोनेशियाई शटलर

पुत्री कुसुमा वर्दानी से भिड़ेंगी। इससे पहले भारतीय जोड़ी ने पांचवीं वरीयता प्राप्त हांगकांग चीन के तांग चुन मान और त्से यिंग सुएट को एक घंटे 3 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 19-21, 21-12, 21-15 से हराया। शुरुआती गेम में मामूली अंतर से हारने के बाद, ध्रुव और तनिषा ने आत्मविश्वास के साथ वापसी की और दूसरे गेम में दबदबा बनाया और अपनी लय को निर्णायक गेम तक बरकरार रखा। इस जीत के बाद अब क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला चौथी वरीयता प्राप्त मलेशिया की चेन तांग जी और तोह ई वेई की जोड़ी से होगा।

गाला में भारतीय मुक्केबाजों ने सुनिश्चित किए 26 पदक

वेब वार्ता, झिनजियांग (चीन)

भारत के जूनियर लड़के और लड़कियों ने चीन के झिंजियांग में आयोजित तीसरे बेल्ट एंड रोड अंतर्राष्ट्रीय यूथ बॉक्सिंग गाला - अंडर-17/अंडर-19/अंडर-23 अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर और टूर्नामेंट में लगातार शानदार जीत के साथ सुर्खियां बटोरीं। 26 सेमीफाइनलिस्टों के साथ, भारत ने 26 पदक पक्के कर लिए हैं।

भारत ने 20 लड़कों और 20 लड़कियों सहित 58 सदस्यीय दल भेजा है, जिसे 12 कोच, 6 सहयोगी स्टाफ और 1 रेफरी एवं जज का समर्थन प्राप्त है। इस संस्करण में केवल अंडर-17 लड़के और लड़कियां ही भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इस टीम का चयन छठी अंडर-17 जूनियर लड़के और लड़कियों की राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 से किया गया है, जिसमें एशियाई युवा खेलों और गैर-एशियाई युवा खेलों के भार वर्गों के पदक विजेताओं को जगह मिली है। सेमीफाइनलिस्टों में ध्रुव खरब (46 किग्रा), उदय सिंह (46 किग्रा), फलक (48 किग्रा), पीयूष (50 किग्रा), आदित्य (52 किग्रा), उधम सिंह राघव (54 किग्रा), आशीष (54 किग्रा), देवेंद्र चौधरी (75 किग्रा), जयदीप सिंह हंजरा (80 किग्रा) और लोवेन गुलिया (80 किग्रा) शामिल हैं, जिन्होंने चीन, कोरिया, उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान के कड़े प्रतिद्वंद्वियों को हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया।

27 अगस्त को, भारतीय जूनियर लड़कियों ने शानदार जीत के साथ रिंग में अपना दबदबा बनाया। खुशी (46 किग्रा), भक्ति (50 किग्रा), राधामणि (60 किग्रा), हर्षिका (60 किग्रा), दीया (66 किग्रा), प्रिया (66 किग्रा), लक्ष्मी (46 किग्रा), चाहत (60 किग्रा), हिमांशी (66 किग्रा), हरनूर (66 किग्रा) और प्राची खत्री (80 किग्रा) सभी ने चीन और कोरिया के कड़े प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ प्रभावशाली जीत हासिल की।

पत्रकारिता
में कॅरियर की इंद्रधनुषी सम्भावनाएं

भारत में विकास तथा गवर्नेंस का क्षेत्र हाल ही में एक नया उदाहरण बना है, जिसका मुख्य आधार नई नीतिगत अर्थ व्यवस्था, परिवर्तित व्यवसाय, परिवेश और ज्ञान की शक्ति का सर्वस्वीकृत होना है। नए हालातों में पत्रकारिता की प्रासंगिकता व्यापक रूप से बढ़ गई है। आज लोकतंत्र का यह चौथा स्तम्भ अपने महत्व और विस्तार के मद्देनजऱ केन्द्रीय भूमिका में आ गया है। पत्रकारिता के बढ़ रहे महत्व को देखते हुए,कई मीडिया संस्थाएं, शैक्षिक संस्थाएं और इलेक्ट्रॉनिक चैनल स्थापित किए गए हैं।

दरअसल मीडिया आज समाज तथा शासन का वास्तविक दर्पण बन गया है। इसे लोक शिक्षक के रूप में देखा है। मीडिया जन-साधारण की समस्याओं को उजागर करने,उनकी आवाज़ बुलंद करने तथा उन्हें न्याय दिलाने का एक प्रभावी साधन यानी मंच बन गया है। लिहाज़ा, कोई आश्चर्य नहीं कि कॅरियर की दृष्टि भी पत्रकारिता का क्षेत्र पहले से ज्यादा विस्तृत और आकर्षक बन गया है।

पत्रकारिता के क्षेत्र में एक सफल करियर के रूप में किसी भी व्यक्ति को जिज्ञासु,दृढ़ इच्छा शक्ति वाला, सूचना को वास्तविक, संक्षिप्त तथा प्रभावी रूप में प्रस्तुत करने की अभिरुचि रखने वाला, किसी के विचारों को सुव्यवस्थित करने तथा उन्हें भाषा तथा लिखित-दोनों रूपों में स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करने में कुशल होना चाहिए। दबाव में कार्य करने के दौरान भी नम्र एवं शांत चित्त बने रहना एक अतिरिक्त योग्यता होती है। जीवन के सभी क्षेत्रों से व्यक्तियों का साक्षात्कार लेते समय पत्रकार को व्यावहारिक, आत्मविश्वासपूर्ण तथा सुनियोजित रहना चाहिए। उसे प्रासंगिक तथ्यों को अप्रासंगिक तथ्यों से अलग करने में सक्षम होना चाहिए। अनुसंधान तथा सूचना की व्याख्या करने के लिए विश्लेषण कुशलता होनी चाहिए।

बदलते परिवेश ने वैसे देखा जाय तो प्रायः प्रत्येक करियर की संभावनाओं में आमूल परिवर्तन कर दिया है। इस लिहाज़ से पत्रकारिता एक प्रतिष्ठित व्यवसाय है और कुछ मामलों में एक उच्च वेतन देने वाला व्यवसाय है,जो युवाओं की बड़ी संख्या को आकर्षित कर रहा है। इससे कौन इंकार कर सकता है कि किसी भी राष्ट्र के विकास में पत्रकारिता अहम भूमिका निभाती है। इसमें आजकल नागरिकों की सीधी भागीदारी की मांग बढ़ती है।यह वह साधन है, जिसके माध्यम से हमें समाज की दैनिक घटनाओं के बारे में सूचना प्राप्त होती है। वास्तव में पत्रकारिता का उद्देश्य जनता को सूचना देना, समझाना, शिक्षा देना और उन्हें प्रबुद्ध करना है।

कलम तलवार से कहीं अधिक प्रभावशाली है, इसे आज की पत्रकारिता ने सिद्ध कर दिखाया है। अब सिर्फ खबर देना पत्रकारिता नहीं है। घटनाओं की मात्र साधारण रिपोर्ट देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि रिपोर्टिंग में अधिक विस्तार, स्पष्टता , विशेषज्ञता और व्यावसायिकता होना आवश्यक है। यही कारण है कि पत्रकार अपनी योग्यता प्रमाणित करने के लिए समाचारपत्रों एवं पत्र-पत्रिकाओं के लिए राजनीति शास्त्र,वित्त,अर्थशास्त्र,कला, संस्कृति एवं खेल जैसे विविध क्षेत्रों के अलावा अनगिन क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करते हैं। घटनाओं और चीज़ों पर पकड़ के अलावा इसे भाषा पर भी अधिकार हासिल करना होता है।

अब एक करियर के रूप में अगर देखें तो तीन ऐसे मुख्य क्षेत्र हैं जिनमें पत्रकारिता के इच्छुक व्यक्ति रोजगार ढूंढ़ सकते हैं-

शिक्षण एवं अनुसंधान
प्रिंट पत्रकारिता
इलेक्ट्रॉनिक (श्रव्य/दृश्य) पत्रकारिता।

शिक्षण एवं अनुसंधान-उच्च शिक्षा, पत्रकारों के लिए रोजगार का एक महत्वपूर्ण स्रोत है, किंतु अनुसंधान भी पत्रकारिता में एक सामान्य करियर विकल्प है। पत्रकारिता में उच्च शिक्षा और पी.एचडी. उपाधि धारक कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थाओं में रोजगार तलाशते हैं। कई अध्यापन पदों पर विशेष रूप से विश्वविद्यालयों और संस्थानों में अनुसंधान सम्बन्धी कार्यकलाप अपेक्षित होते हैं। यद्यपि यह निश्चित तौर पर सत्य है कि पुस्तकों अथवा लेखों को प्रकाशित करना कार्य - सुरक्षा तथा पदोन्नति का मुख्य मार्ग है और अधिकांश विश्वविद्यालयों में वेतन वृद्धि होती है, यह अपेक्षा ऐसी स्थापनाओं में अधिक लागू होती है जहां मूल छात्रवृत्ति को महत्वत था समर्थन दिया जाता है। तथापि कई संस्थाएं उन्नति के एक प्रारंभिक मार्ग के रूप में अनुसंधान अथवा अध्यापन पर अधिक बल देती है।

इसके परिणामस्वरूप यद्यपि कुछ व्यवसायों में पत्रकारिता में कोई डिग्री विशेष रूप से अपेक्षित होती है, तथापि, ऐसा शैक्षिक प्रशिक्षण विविध प्रकार के व्यवसायों में जाने की एक महत्वपूर्ण योग्यता हो सकती है। पत्रकारिता में कला-स्नातक या मास्टर ऑफ आर्टस अथवा अनुसंधान (पीएच.डी.) डिग्रियों के लिए, गैर-लाभ भोगी क्षेत्र में, कोई विश्वविद्यालय, कोई संस्थान कोई व्यावसायिक या मीडिया फर्म रोजगार का क्षेत्र हो सकती है।

प्रिंट पत्रकारिता- प्रिंट पत्रकारिता समाचार पत्रों पत्रिकाओं तथा दैनिक पत्रों के

लिए समाचारों को एकत्र करने एवं उनके सम्पादन से संबद्ध हैं। समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं, वे बड़ी हों या छोटी, हमेशा विश्वभर में समाचारों तथा सूचना का मुख्य स्रोत रही हैं और लाखों व्यक्ति उन्हें प्रतिदिन पढ़ते हैं। कई वर्षों से प्रिंट पत्रकारिता बड़े परिवर्तन की साक्षी रही है। आज समाचार-पत्र एवं पत्रिकाएं विविध विशेषज्ञतापूर्ण वर्गों जैसे राजनीतिक घटनाओं व्यवसाय समाचारों, सिनेमा, खेल, स्वास्थ्य तथा कई अन्य विषयों पर समाचार प्रकाशित करते हैं, जिनके लिए व्यावसायिक रूप से योग्य पत्रकारों की मांग होती है। प्रिंट पत्रकारिता में कोई भी व्यक्ति सम्पादक, संवाददाता, रिपोर्टर, आदि के रूप में कार्य कर सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता- इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता का विशेष रूप से प्रसारण के माध्यम से जन-समुदाय पर पर्याप्त प्रभाव है। दूरदर्शन, रेडियो, श्रव्य, दृश्य (ऑडियो, वीडियो) और वेब जैसे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने दूर -दराज के स्थानों में समाचार, मनोरंजन एवं सूचनाएं पहुंचाने का कार्य किया है। वेब में, कुशल व्यक्तियों को वेब समाचार पत्रों (जो केवल वेब की पूर्ति करते हैं और इनमें प्रिंट संस्करण नहीं होते और लोक प्रिय समाचारपत्रों तथा पत्रिकाओं को जिनके अपने वेब संस्करण होते हैं, साइट रखनी होती है। इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता में कोई भी व्यक्ति रिपोर्टर, लेखक, सम्पादक, अनुसंधानकर्ता, संवाददाता और एंकर बन सकता है।

शिक्षा- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एवं अनुसंधान चलाने वाले कई विश्वविद्यालय तथा संस्थान हैं, उनमें कुछ निम्नलिखित हैं-

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली
मुद्रा संचार संस्थान
सिम्बियोसिस पत्रकारिता एवं संचार संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय खुला विश्वविद्यालय, नई दिल्ली कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्व विद्यालय,रायपुर

अवसर

पत्रकारिता में कोई पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद, कोई भी व्यक्ति किसी मीडिया अनुसंधान संस्थान या किसी सरकारी संगठन में एक अनुसंधान वैज्ञानिक बन सकता है। अनुसंधान कार्य के दौरान भी कोई व्यक्ति अन्य अनुदानों तथा सुविधाओं के अतिरिक्त, मासिक वृत्तिका प्राप्त कर सकता है। कोई भी व्यक्ति किसी समाचारपत्र में या इलेक्ट्रॉनिक चैनल में एक पत्रकार के रूप में कार्यग्रहण कर सकता है और अच्छा वेतन अर्जित कर सकता है। प्रेस अधिकारी के रूप में अपनी दक्षता सिद्ध कर सकता है।

स्वरोजगार

टॉय डिजाइनिंग ढेरों संभावनाएं

खिलौने सभी बच्चों को बेहद पसंद होते हैं। ये सिर्फ खेलने के नजरिए से नहीं, बल्कि उनके मानसिक विकास में भी मदद करते हैं। वैसे भी आजकल बाजार में इतने नए-नए खिलौने आ गए हैं कि कई बार लेने से पहले सोचना पड़ता है। कहते हैं अपने अंदर का बच्चा कभी न मरने दें और खिलौनों की दुनिया का यह नया स्वरूप खिलौने के निर्माण में कॅरियर की भी ढेरों संभावनाएं पैदा करता है। टॉय डिजाइनर का काम खिलौनों से बच्चों का मनोरंजन तो हो ही, साथ ही, ऐसे खिलौने बनाना भी है जिनसे बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ शिक्षा भी मिले। टॉय डिजाइनिंग में दो चीजें हैं - एक क्रिएटिविटी और दूसरा बच्चों की क्षमता को समझना, जिससे बच्चे खेलें भी और उन्हें नई चीजें सीखने का मौका भी मिले। खिलौने भी दो प्रकार के होते हैं - एक जिनसे बच्चे कुछ सीखते हैं और जिसे परिवार के साथ भी खेला जा सकता है, दूसरा सिर्फ मौज-मस्ती के लिए। पुराने समय में खिलौने प्राकृतिक चीजों से बनते थे जैसे- लकड़ी, पत्थर या मिट्टी लेकिन आजकल यह प्लास्टिक, फर और अन्य कृत्रिम पदार्थ। टॉय डिजाइनर खिलौनों को डिजाइन करते हैं और फिर बनाते हैं। उनका काम शुरू होता है ड्रॉइंग, स्केचिंग या कंप्यूटर से मॉडल तैयार करने से, फिर यह तय करना कि खिलौने का हर हिस्सा कैसे बनना है और फिर उसका एक नमूना तैयार करना। खिलौनों को बाजार में दो प्रकार के उपभोक्ताओं के लिए रखा जाता है - एक तो बच्चे जो उनसे खेलते हैं और दूसरे उन ग्राहकों के लिए जो खिलौने एकत्रित करते हैं। गुडिया से लेकर मैकेनिकल सेट, टॉय डिजाइनर, बोर्ड गेम्स, पजल्स, कम्प्यूटर गेम्स, स्टफ्ड एनिमल्स, रिमोट कंट्रोल कार, नवजात शिशु के लिए खिलौने आदि बनाते हैं। आजकल के दौर के हिसाब से खिलौने बनाने के लिए डिजाइनर को न केवल बाजार के ट्रेंड से अवगत रहना चाहिए बल्कि अलग-अलग आयु वर्ग के बच्चों की जरूरतों को भी पता होना चाहिए। इस कॅरियर में ग्राफिक डिजाइन, मैकेनिकल ड्रॉइंग और कलर के चुनाव की जानकारी हो तो अच्छी सफलता प्राप्त हो सकती है। टॉय डिजाइनर बच्चों के विशेषज्ञ के साथ काम करते हैं जिससे उन्हें हर आयु के बच्चों की जरूरत का पता चलता है। उनकी सफलता अच्छे, मनोरंजक, कल्पनाशील और सुरक्षित खिलौने बनाने पर निर्भर

करती है।

इस कॅरियर के लिए व्यापार और प्रबंधन क्षमता होना जरूरी है। इस कॅरियर में विशिष्ट कोर्स कम हैं लेकिन ग्राफिक डिजाइन, इंडस्ट्रियल डिजाइन या कार्टूनिंग की जानकारी के साथ काम किया जा सकता है। इसमें कंप्यूटर की जानकारी होना जरूरी है। इसके अलावा, इंजीनियरिंग और मार्केटिंग में अनुभव भी प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षक, विशेषज्ञ, साइकोलॉजिस्ट, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और कंप्यूटर साइंस ग्रेजुएट भी टॉय डिजाइनिंग का कोर्स कर सकते हैं। इंजीनियरिंग का ज्ञान तकनीक द्वारा निर्मित खिलौने के लिए होना जरूरी है। शिक्षक, विशेषज्ञ और मनोवैज्ञानिक हर आयु के बच्चों की जरूरतें आसानी से समझ सकते हैं इसलिए परामर्शदाता के तौर पर वह इस क्षेत्र में पैर जमाने में सक्षम हैं। कंप्यूटर साइंस ग्रेजुएट खिलौनों की सॉफ्टवेयर संबंधित कार्यात्मकता प्रदान कर सकते हैं। कुछ टॉय डिजाइनर एजुकेशनल खिलौनों में भी विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं, कुछ सामान्य खिलौनों में या फिर कोई विशिष्ट क्षेत्र में कोर्स कर सकते हैं जैसे- मॉडल मेकिंग, बोर्ड गेम्स, सॉफ्ट टॉय या पुराने खिलौनों की प्रतिकृति आदि। आजकल पालतू जानवरों के लिए खिलौने बनाना भी बढ़ती हुई इंडस्ट्री है। टॉय डिजाइनर अगर चाहें तो किसी कंपनी में भी काम कर सकते हैं या स्वतंत्र रूप से खिलौने भी बना सकते हैं। अगर चाहें तो अपनी मैनुफैक्चरिंग यूनिट भी खोल सकते हैं। टॉय डिजाइन पर किताब लिख सकते हैं या किसी इंस्टिट्यूट में बतौर शिक्षक भी नौकरी की जा सकती है। इसके अलावा, बतौर इंटीरियर डिजाइनर बच्चों के कमरे या प्ले स्कूल थीम बेस्ड टॉय का इस्तेमाल करके डिजाइन कर सकते हैं। टॉय डिजाइन कंस्लटेंट या इसमें फ्रीलांसिंग भी की जा सकती है। एक बार डिजाइनर के तौर पर अपने आपको स्थापित करने के बाद अवसरों और आय की कमी नहीं होगी। लेकिन इस कॅरियर में सफलता आपकी रचनात्मकता पर निर्भर करती है।

हंसो, हंसाओ
लाइफ बनाओ

जिंदगी में दुख और तकलीफें कम नहीं, ऐसे में हंसने का मौका मिल जाए तो क्या कहने! यही वजह है कि हंसी के गुब्बारे छोड़ते लोग टीवी, रेडियो और फिल्में में खूब दिखने लगे हैं। कहा जाता है कि हंसाना आसान काम नहीं है, लेकिन यदि आपमें वह हुनर है कि आप रोते को भी हंसा दें तो फिर देर किस बात की, बना डालिए हंसी के क्षेत्र में करियर और कमा लीजिए ढेर सारा प्यार और रुपये। जी हां, कभी लोगों के चेहरे से दूर रहने वाली हंसी अब हर टीवी चैनल, रेडियो स्टेशन और फिल्मों में दिखने लगी है। यही वजह है कि इस समय हंसी के क्षेत्र में करियर बनाने के कई विकल्प हैं।

अपने शब्दों के साथ ही अपने चेहरे के हाव-भाव को कुछ डिफरेंट बना सकते हैं कि सामने वाला पेट पकड़े बिना न रह पाए तो मिमिक्री, आरजे, वीजे, टीवी धारावाहिक, स्टेज शो, एंकरिंग, थिएटर, फिल्म, स्क्रिप्ट लेखन, कवि गोष्ठी किसी क्षेत्र में भी हाथ आजमा सकते हैं। इस समय इस क्षेत्र से संबंधित कई इंस्टीट्यूट कुकुरमुत्ते की तरह उग आए हैं, लेकिन ध्यान रखिए कि किसी भी इंस्टीट्यूट में वह माद्दा नहीं है जो आपको इसमें पारंगत बना दे। इसे खुद ही निखारा जा सकता है, खूब सारी प्रैक्टिस करके। हंसी के क्षेत्र में बढ़ती करियर की संभावनाओं के बारे में पढिये इस लेख में-

स्टैंडअप कॉमेडियन

द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज, कॉमेडी सर्कस जैसे टीवी शोज के जरिए स्टैंडअप कॉमेडियन को न सिर्फ इज्जत मिलने लगी है, बल्कि ये कमाई का बेहतरीन जरिया भी बन चुके हैं। आप जितना अधिक खुद पर हंस सकते हैं, दूसरों पर बिना प्रहार किए उन्हें हंसी का केंद्र बना सकते हैं, आप उतनी ही जल्दी प्रसिद्धि के शिखर पर पहुंच सकते हैं। क्या कभी आप अपने दोस्तों के बीच खड़े होकर उन्हें पेट पकड़कर हंसने पर मजबूर कर चुके हैं, यदि आपका जवाब हां में है तो आपमें स्टैंडअप कॉमेडियन बनने की काबिलियत है। इसके जरिए आप शुरुआत में दस हजार रुपये आसानी से कमा सकते हैं। प्रसिद्धि पाने के बाद तो यह कीमत एक लाख रुपये तक जा सकती है। इसके लिए क्रिएटिव राइटिंग या मीडिया से संबंधित कोई कोर्स सहायक हो सकता है। जरूरी है कि आपमें बेहतर कम्यूनिकेशन स्किल, सेंस ऑफ ह्यूमर, अच्छी पर्सनालिटी, निरंतरता जैसी खूबियां हों।

रेडियो जॉकी

इन दिनों रेडियो स्टेशनों पर आरजे श्रोताओं को हंसाते हुए नजर आते हैं। बातचीत चाहे फिल्मों की हो या राजनीति की, इनकी बातों में हंसी का पुट खूब रहता है। एक हंसोड़ आरजे बनने के लिए आपमें सेंस ऑफ ह्यूमर, निरंतरता, बेहतरीन आवाज, कम्यूनिकेशन स्किल का होना जरूरी है। इन गुणों के अलावा पुणे स्थित फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, जेवियर्स इंस्टीट्यूट ऑफ कम्यूनिकेशन ट्रेनिंग प्रदान करता है। आरजे खुरापाती नितिन के सभी श्रोता इसलिए फैन हैं, क्योंकि वह अपनी बातों से खूब हंसाते हैं।

वीडियो जॉकी

वीजे का काम भी काफी हद तक आरजे से मिलता है। बस यहां खुशनुमा व्यक्तित्व का होना आवश्यक है। व्यक्तित्व ऐसा हो, जिसे देखते दर्शकों को अच्छा महसूस हो। साथ में फटाफट जवाब देने की कुशलता का होना आवश्यक है। वीजे सायरस ब्रोचा ऐसे ही हैं, जो अपनी वीजेइंग में कॉमेडी का पुट ऐसा जोड़ते हैं कि दर्शक हंसे बिना रह ही नहीं पाते।

एंकर

एंकर बनने के लिए सबसे पहली खूबी तो यह होनी चाहिए कि भीड़ में आपका आत्मविश्वास खुलकर दिखे। आप जब बोलें तो लोग आपको ध्यान से सुनें। जरूरी तो यह भी है कि आपकी पर्सनालिटी खुशनुमा हो, आवाज साफ और खुली होने के साथ शब्दों का उच्चारण सही करना आता हो। साजिद खान, अली असगर, पूरबी जोशी जैसे एंकर इसलिए हिट हैं, क्योंकि उनमें ये सारी खूबियां हैं।

स्क्रिप्ट राइटर

टीवी चैनलों पर बढ़ते हास्य धारावाहिकों या कॉमेडी के शोज को देखते हुए भारी मांग बढ़ी है स्क्रिप्ट लेखकों की। कई बड़े और नामी कॉमेडी आर्टिस्ट समय की कमी के कारण खुद के लिए स्क्रिप्ट लिखवाते हैं। तो हास्य धारावाहिकों में भी स्क्रिप्ट लेखक की आवश्यकता पड़ती है, जो दर्शकों को खुद की लिखी लाइनें सुनते ही हंसने पर मजबूर कर दे। यही मांग कॉमेडी फिल्मों और रेडियो के लिए भी है। इस हुनर को सीखा नहीं जा सकता, यह व्यक्ति के अंदर होता है। हां, इसे निखारा जरूर जा सकता है। सही लेखन के लिए मास कम्यूनिकेशन का कोर्स किया जा सकता है। शुरुआत में थोड़ा संघर्ष हो सकता है, लेकिन बाद में प्रति माह चालीस-पचास हजार रुपये आसानी से कमाए जा सकते हैं।

हंसने-हंसाने के क्षेत्र में इस समय करियर की संभावनाएं बेहतरीन हैं। चाहें तो लाइव शोज में एंकरिंग कर लें, स्टैंडअप कॉमेडियन बन जाएं या लिखना शुरू कर दें। बस जरूरत है थोड़ी ग्रूमिंग की और स्टेज प्रेजेंस तगड़ा (लेखन छोड़कर) बनाने की। इसके लिए जरूरत है प्रेजेंस ऑफ माइंड बढ़िया हो। इसके साथ ही एक्सट्रोवर्ट होना चाहिये। जनरल अवेयरनेस, अच्छी मेमोरी, ग्रहण करने की बेहतर क्षमता, कम्यूनिकेशन स्किल,सेंस ऑफ ह्यूमर अन्य जरूरी गुण हैं। इन खूबियों को ऐसे लोगों के साथ रहकर ग्रूम भी किया जा सकता है। इसके बाद स्क्रिप्ट राइटिंग, एंकरिंग, स्टैंडअप कॉमेडियन, रेडियो जॉकी, वीडियो जॉकी, लाइव शो प्रेजेंटर में से कोई भी विकल्प चुना जा सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक इरशान सईद द्वारा ए-352, न्यू अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित एवं साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी 85 सेक्टर 6, नोएडा 201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। संपादक सईद अहमद
RNI No. DELHIN/2014/56101 संपर्क सूत्र +91 8587018587, Email: webvarta@gmail.com, समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।